दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। गुरुवार 13 फरवरी-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 55 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

महाकुंभ में अब तक 50 करोड़ लोगों ने गंगा जी में लगाई डुबकी, सीएम योगी ने दी जानकारी

लखनऊ। महाकुंभ में अब तक 50 करोड़ लोगों ने गंगा मइया में डुबकी लगा ली है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये जानकारी दी। बता दें, प्रयागराज में भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। 13 जनवरी से शुरू हुआ महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा।

144 साल बाद महाकुंभ लगने के कारण देश-दुनिया से श्रद्धालु महाकुंभ पहुंच रहे हैं। महाकुंभ के बारे में बुधवार को सीएम योगी ने कहा कि माघी पूर्णिमा के अवसर पर करोड़ों लोग महाकुंभ में डुबकी लगा रहे हैं। ये नया उत्तर प्रदेश है।

प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है और कल तक 50 करोड़ लोग प्रयागराज में डुबकी लगा चुके हैं।

विपक्ष पर साधा निशाना : सीएम ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों की आदत होती है चोरी छिपे आनंद लेने की। जैसे उन्होंने खुद कोरोना का टीका लगवा लिया लेकिन दुनिया के कहते रहे कि वैक्सीन न लगवाना। उन्हीं लोगों ने महाकुंभ में गंगा स्नान तो कर लिया पर अब जनता से कह रहे हैं कि जनता डुबकी न लगाए।

माघी पूर्णिमा में भारी संख्या में महाकुंभ में उमड़े श्रद्धालु : महाकुंभ में आज पांचवा बड़ा स्नान है। माघी पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु भारी संख्या में महाकुंभ पहुंचे हैं। महाकुंभ में चारों ओर श्रद्धालु ही श्रद्धालु नजर आ रहे हैं। लोगों का उत्साह ऐसा है कि सुबह-सुबह ही एक करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगा ली थी।

हिंडन हवाई अड्डे से शुरू होगी बैंगलोर, चेन्नई और जम्मू के लिए भी उड़ान

अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज और बनारस के लिए भी उड़ान का भेजा गया कंपनियों को प्रस्ताव

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग हिंडन एयरपोर्ट से उड़ान संचालित करने के लिये लगातार प्रयासरत हैं। ये उनके प्रयास हैं कि एक मार्च से यहां गोवा, कोलकाता और बैंगलोर के लिये उड़ान शुरू होगी। कंपनी ने प्रस्ताव भी दे दिया है। अब जब यहां से उड़ान शुरू होंगी और ये प्रयास रंग लाएंगे तो एक नई उपलब्धि गाजियाबाद के खाते में आएगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के ऑपरेशन मेंबर डॉ. शरद कुमार ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग को पत्र लिखा और इस पत्र में उन्होंने सांसद अतुल गर्ग द्वारा हिंडन हवाई अड्डे से उड़ान सेवाएं शुरू करने के संबंध में पूर्व में लिखे गए तीन पत्रों का उल्लेख किया।

गौरतलब है कि अतुल गर्ग ने हिंडन हवाई अड्डे से उड़ान शुरू करने को लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को 24 दिसंबर 2024, 27 जनवरी 2025 और 28 जनवरी 2025 को पत्र लिखे थे। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि स्टार एयर कंपनी 76 सीटर विमानों के साथ सेवाएं दे रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक मार्च से हिंडन हवाई अड्डे से गोवा, कोलकाता और बैंगलोर के लिये 184 सीटर बोइंग 738 विमानों के साथ उड़ान सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। कुंभ मेले के दौरान उड़ानों की मांग को देखते हुए सांसद अतुल गर्ग के अनुरोध को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के ईमेल पर सभी घरेलू एयरलाइन कंपनियों को हिंडन से अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी हवाई अड्डों के लिये उड़ान सेवाएं शुरू करने को लेकर भेज दिया गया है।

तो क्या हिंडन हवाई अड्डे से उड़ रहे हैं भटिंडा, किशनगढ़ और नांदेड़ के लिए विमान

एयरपोर्ट से उड़ान एक मार्च से शुरू होगी, मगर एयरपोर्ट अथॉरिटी का पत्र बता रहा है कि यहां तो मौजूदा समय में स्टार एयर कंपनी हिंडन हवाई अड्डे से आदमपुर, नांदेड़ और किशनगढ़ के लिये उड़ान सेवाएं संचालित कर रही है। फ्लाई बिग कंपनी 19 सीटर विमानों के साथ हिंडन हवाई अड्डे से भटिंडा हवाई अड्डे के लिय उड़ान सेवाएं संचालित कर रही है।

10 मार्च से बैंगलोर और 22 मार्च से चेन्नई और जम्मू के लिये भी शुरू होगी उड़ान

हिंडन हवाई अड्डे से उड़ान का मार्ग प्रशसस्त हो गया है। सांसद अतुल गर्ग के पास एयरपोर्ट अथॉरिटी का पत्र आ गया है। इस पत्र में बताया गया है कि 10 मार्च हिंडन हवाई अड्डे से बैंगलोग और 22 मार्च से चेन्नई और जम्मू के लिये उड़ान सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव है। इस तरह से हिंडन डोमेस्टिक एयरपोर्ट से गोवा, कोलकाता, बैंगलोर, चेन्नई, जम्मू, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी के लिये उड़ान सेवाएं उपलब्ध होंगी।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कर दिया स्पष्ट, उड़ानों का संचालन कंपनी की नीतियों पर निर्भर

कंपनियों का दावा है कि हिंडन हवाई अड्डे से उड़ान संचालित हो रही है। कंपनियों का दावा है कि वो उड़ान संचालित कर रहे हैं। उड़ान कंपनियों ने अलग-अलग शहरों के लिये उड़ान संचालित करने का प्रस्ताव भी दे दिया है, लेकिन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने स्पष्ट कर दिया है कि यह बताना उचित रहेगा कि एयर लाइन कंपनियों द्वारा किसी भी रूट पर उड़ानों का संचालन यात्रियों की मांग वाणिज्यिक व्यवहारिता तथा कंपनियों की नीतियों पर निर्भर है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने स्पष्ट कर दिया है कि इन सभी मामलों में भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण का कोई नियंत्रण नहीं है।

लगभग तय हो गया है भाजपा महानगर अध्यक्ष वाला चैप्टर

महानगर में 'जी' और जिले में रहेगा 'ओ' फैक्टर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में अध्यक्ष पद को लेकर कई दिनों से लिफाफा खुलने का इंतजार हो रहा है। मंडल अध्यक्षों के बाद महानगर और जिला अध्यक्षों के नाम घोषित होने हैं। इसके लिये संगठन स्तर पर पूरी प्रक्रिया का पालन हुआ है और अब घोषणा बाकी है। खास बात ये है कि यहां जो एक नाम घोषित होना है, वो नाम 61 नामों को पछाड़ता हुआ आगे आएगा। जब पार्टी ने अध्यक्ष बनने की इच्छा रखने वाले देवतुल्यों से आवेदन पत्र मांगे थे तो 62 भाजपाई अध्यक्ष बनने के लिये आवेदन पत्र लेकर आ गए थे। पार्टी ने चिंतन-मंथन किया, नामों की छंटनी हुई, नामों पर विचार हुआ और फिर सीन में केवल तीन नाम रह गए। उसके बाद एक नाम को लेकर जद्दोजहद चलती रही। नाम आज घोषित होगा, कल घोषित होगा वाला सीन चलता रहा। बताते हैं कि इसके बाद ये चर्चा भी बाहर आई थी कि दिल्ली में ये लिफाफा खुला है और लिफाफे में कोई दलित नाम एड हुआ है।

दैनिक करंट क्राइम लगातार इस बात के संकेत दे रहा है कि महानगर में ह्यजीह्ल और जिले में ओ आएगा। सूत्र बताते हैं कि महानगर अध्यक्ष वाला नाम लगभग तय हो गया है। जल्द ही इसकी घोषणा होने जा रही है। महानगर में ह्यजीह्ल फैक्टर काम करेगा और जिले में ओबीसी फैक्टर काम करेगा। सूत्र बताते हैं कि गाजियाबाद महानगर में अध्यक्ष पद की कमान ह्यजीह्ल फैक्टर के हाथ में आने जा रही है। यहां ये ह्यजीह्ल फैक्टर वैश्य भी हो सकता है और जनरल भी हो सकता है। ह्यजीह्ल से गोयल भी हो सकता है और ह्यजीह्ल से गोस्वामी भी हो सकता है। बहरहाल सूत्र बता रहे हैं कि महानगर में ह्यजीह्ल फैक्टर पर काम हो गया है। इसी तरह जिले में ह्यओह्ल फैक्टर काम करेगा। यहां कोई ओबीसी चेहरा आएगा। ह्यओह्ल से ओबीसी भी हो सकता है, लेकिन सूत्र इस बात के संकेत दे रहे हैं कि जिले में ह्यओह्ल फैक्टर में जाट चेहरा हो सकता है। यहां गुर्जर चेहरे के चांस कम दिखाई दे रहे हैं। बहरहाल अब घोषणा नजदीक है और इस बात की सूत्र पूरी तस्दीक कर रहे हैं कि महानगर में ह्यजीह्ल और जिले में ह्यओह्ल फैक्टर आ गया है।

पुलिस भर्ती फिजिकल टेस्ट में दौड़ी 978 महिला अभ्यर्थी, 618 हुई सफल और 213 असफल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में पीएसी के मैदान पर पुलिस भर्ती के लिए फिजिकल टेस्ट चल रहा है। बुधवार को 1050 आवंटित अभ्यर्थियों को समय दिया गया था। जिसमें 978 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और 72 अनुपस्थित रहे, बुधवार को दौड़ का आयोजन था और इस दौड़ में कुल 618 महिला पुलिस कर्मी सफल हुई हैं और 213 असफल हुई हैं।

गुरुवार को दौड़ का एक राउंड रिकॉर्ड नहीं हो पाया था। जिसकी वजह से 147 महिला अभ्यर्थियों को अगले दिन दौड़ लगाने के लिए कहा गया है। हालांकि शुरूआत में कुछ अभ्यर्थी हंगामा कर रहे थे लेकिन मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उन्हें शांत कराया और बताया कि वह इस प्रक्रिया में आगे भाग ले सकती हैं।

डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार ने बताया है कि बुधवार को 978 उपस्थित अभ्यर्थियों का फिजिकल टेस्ट लिया गया है। 72 अनुपस्थित थे, जिसमें 618 सफल रहे हैं। बता दें की गाजियाबाद में पुलिस अभ्यर्थी की परीक्षा का फिजिकल टेस्ट चल रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं, साथ ही उनके परिजन भी इस परीक्षा में उनके साथ पहुंच रहे हैं।

अधिकारियों की देखरेख में हो रहा है पूरा फिजिकल टेस्ट

करंट क्राइम : पुलिस विभाग के सूत्रों से जानकारी मिली है कि अभ्यर्थियों का जो फिजिकल टेस्ट चल रहा है, उसमें बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहते हैं। इसके साथ ही यहां की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई जाती है। साथ ही समय-समय पर कई अन्य अधिकारी औचक निरीक्षण करके इसकी जांच भी करते हैं।

दवा कारोबारी के घर लाखों की वारदात, पुलिस बोली चोरी

दवा कारोबारी के घर से लाखों के जेवर और नगदी पर बदमाशों ने किया हाथ साफ

लिंक रोड थानाक्षेत्र के सूर्य नगर की वारदात

गाजियाबाद, करंट क्राइम : ट्रांस हिंडन जोन के अंतर्गत आने वाले लिंक रोड थानाक्षेत्र के सूर्य नगर में रहने वाले दवा कारोबारी के मकान को बदमाशों ने निशाना बनाते हुए घर में रखे लाखों रुपए के सोने-चांदी और हीरे के जेवरों के साथ ही कैश पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जैसे ही घरवालों को इस घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने आनन-फानन में पुलिस और आसपास के लोगों को सूचना दी। जिसके बाद दवा कारोबारी के घर पुलिस जांच पड़ताल के लिए पहुंची।

बताया जा रहा है कि इस घटना में चोर लाखों रुपए का सामान लेकर फरार हो गए हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर इस घटना के डकैती होने की सूचना वायरल हुई थी लेकिन एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय का कहना है कि तरुण महेश्वरी के घर चोरी की वारदात हुई है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

सुरक्षा व्यवस्था और सिस्टम पर उठे सवाल

करंट क्राइम : सूर्य नगर में रहने वाले तरुण महेश्वरी साहिबाबाद के साइड चार इंडस्ट्रियल एरिया में दवा बनाने की चार फैक्ट्री संचालित करते हैं। उनके घर में बुधवार सुबह करीब एक दर्जन सदस्य मौजूद थे, जिस वक्त बदमाशों ने उनके घर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है बदमाश ग्राउंड फ्लोर पर बने कमरे की अलमारी से लगभग 60 से 70 लाख रुपए के सोने-चांदी और हीरे के जेवर और लगभग 7 लाख रुपए कैश लेकर फरार हुए हैं। घर में जिस वक्त वारदात हुई उस समय अधिकांश लोग सो रहे थे। वहीं उनका बेटा जब दूध लेकर घर लौटा तो उसे वारदात का मालूम चला।

गार्ड से लेकर परिवार तक को नहीं पता चला कब हुई वारदात

करंट क्राइम : सोसायटी के गेट पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती होने के साथ ही दवा कारोबारी के घर पर भी गार्ड तैनाती है। घर में नौकर रहते हैं ,इसके बाद भी किसी को वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की कोई भनक नहीं लग पाई है। बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया, उस वक्त एक कमरे में तरुण महेश्वरी और दूसरे कमरे में उनके पिता राजेंद्र माहेश्वरी थे। उधर परिवार वाले इस बात की भी आशंका जता रहे हैं कहीं वारदात को अंजाम देने के लिए बेहोशी वाले स्प्रे का तो इस्तेमाल नहीं किया गया था।

पुलिस की कई टीमें जुटी जांच में

करंट क्राइस : सूर्य नगर में हुई इस वारदात के मामले की जांच पड़ताल एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय कर रहे हैं। साथ ही थानाध्यक्ष लिंक रोड प्रीती सिंह और क्राइम टीम पूरे मामले में सीसीटीवी फुटेज जांचने के साथ ही सर्विलांस और मुखबिरों के तंत्र को टटोलने का काम कर रही है ताकि इस वारदात का खुलासा किया जा सके।

मुझ समेत शहर का कोई व्यक्ति नहीं चाहता कि साप्ताहिक बाजार से कॉलोनी वासियों को कोई असुविधा हो : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में एक नई प्रवृति सामने आई है। जिसमें साप्ताहिक बाजार का समर्थन करने वालों को कटघरे में खड़े करने के लिए प्रशासन प्रायोजित एक अभियान प्रारंभ हुआ है । ये प्रवृति बड़ी खतरनाक और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर सीधा प्रहार करने वाली है। इस अभियान का उद्देश्य साप्ताहिक बाजार के साथ खड़े होने वालों को शहर के लोगों का विरोधी प्रमाणित करने का है। मुझ समेत शहर का कोई व्यक्ति नहीं चाहता कि साप्ताहिक बाजार से कॉलोनी वासियों को कोई असुविधा हो । वे केवल चाहते हैं कि किसी भी साप्ताहिक बाजार को उपयुक्त स्थान दिए बिना उजाड़ा न जाय। ये हमारी मांग इतनी जायज है कि मुख्य सचिव ने स्वयं सार्वजनिक निर्देश जारी किया कि अभी पूर्व की भांति साप्ताहिक बाजार लगते रहें। प्रशासन का दुस्साहस देखिए मुख्य सचिव के निर्देश के बाद भी साप्ताहिक बाजारों को प्रशासन द्वारा रोका जा रहा है।

क्या गरीब और कम साधन वाले व्यक्ति को सम्मानपूर्वक अपने बच्चों के लिए रोटी कमाने वाले को अधिकार नहीं है? जब बढ़ती आबादी के लिए सरकारें रोजगार देने में असमर्थ होती हैं तब क्या ऐसे स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होना, देश के लिए आवश्यक नहीं है। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी इस वर्ग की कठिनाइयों से परिचित हैं और इसीलिए इन ठेली पटरी वालों के लिए बिना गारंटी के मुद्रा लोन की व्यवस्था की । देश के बड़े से बड़े नेता संसद में खड़े होकर कहते हैं कि देश के साधनों पर पहला हक गरीब का है लेकिन गाजियाबाद का प्रशासन गरीबों को बेरोजगार करके अपराध की अंधी गली में धकेलना चाहता है क्या??

साप्ताहिक बाजार का समर्थन करने वालों को कटघरे में खड़े करने के लिए प्रशासन प्रायोजित एक अभियान प्रारंभ हुआ है ।

जब बढ़ती आबादी के लिए सरकारें रोजगार देने में असमर्थ होती हैं तब क्या ऐसे स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होना, देश के लिए आवश्यक नहीं है।

मैं महानगर के सभी नागरिकों से विनम्रता से अनुरोध करना चाहता हूं कि जब चुनाव आता है तो सभी दलों के नेता झुग्गी झोपड़ी, ठेली पटरी और साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों की वोट पाने के लिए बड़े बड़े वादे करते हैं और जब चुनाव न हो तो इनको उजाड़ने के प्रशासन के समर्थन में खड़े हों, ये कहां तक उचित है? लोकतंत्र में गरीब को वोट का जो अधिकार मिला है, अगर वह न होता तो गरीब एड़ियां रगड़ रगड़ कर मर जाता कोई गरीब के दरवाजे नहीं फटकता। भला हो डॉ भीमराव आंबेडकर का जो गरीब को एक वोट का अधिकार दे दिया।

जब प्रशासन ने महानगर की सारी ग्रीन बेल्ट बेच कर आवासीय भवन खड़े हो थे जिन पर साप्ताहिक बाजार लग सकते थे, तब महानगर के कितने लोगों ने इसके विरुद्ध आवाज उठाई थी। गाजियाबाद में आवासीय कॉलोनियों में व्यवसायिक बाजार खड़े हो रहे हैं। उन कालोनियों के निवासियों का रहना मुश्किल हो रहा है। शहर की सभी चौड़ी सड़कों पर मार्केट बन रहे हैं । गांधीनगर में रजिस्ट्री दफ्तर के कारण लोगों का अपने घरों तक वाहन से पहुंचना असंभव हो रहा है। जीडीए का कार्यालय का नया भवन तो शहर से बाहर बनाया जा रहा है लेकिन रजिस्ट्री दफ्तर को शिफ्ट करने पर विचार क्यों नहीं हो रहा है? सड़कों की रोड साइड पर पार्किंग के ठेकों के कारण सड़कें जाम हैं । क्या ऐसे स्थानों पर मल्टीलेवल पार्किंग नहीं होनी चाहिए? सूची बहुत लंबी है जहां प्रशासन अपने दायित्व के निर्वाह से आंख मूंद कर बैठा है और सभी जागरूक नागरिक मौन हैं। प्रशासन की प्राथमिकता अपनी है । जिन समस्याओं के समाधान से कोई लेना देना नहीं है। बस केवल समाचार पत्रों की हैड लाइन में छपने के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं।

ये प्रवृति ठीक नहीं है। जनहित सबसे बड़ा मानक है । अधिकारी आएंगे चले जाएंगे। हम इस शहर के निवासी हैं। ये शहर हमारा है,इसके लिए हमने भी सपने देखें और जब भी हमें कोई अवसर मिला इस शहर को सुंदर बनाने में योगदान किया है। जब तक जीवित हैं तब तक अपने सपनों को पूरा करने के प्रयास करते रहेंगे।

माघी पूर्णिमा पर करोड़ों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

38 प्रशासनिक अफसरों की तैनाती रही कारगर, करोड़ों की भीड़ के बावजूद आसान रही राह • अभिनेता सुनील शेट्टी और पत्नी के साथ अनिल कुंबले पहुंचे महाकुंभ

सुबह चार बजे से महाकुंभ मेले की निगरानी कर रहे हैं सीएम योगी आदित्यनाथ

अभिनेता सुनील शेट्टी ने लगाई आस्था की डुबकी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है। जहां हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसी बीच माघ पूर्णिमा के मौके पर आज फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी महाकुंभ में पहुंचे हैं।

पत्नी के साथ अनिल कुंबले पहुंचे महाकुंभ

पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने संगम पर पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाई।

प्रयागराज। माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर महाकुंभ क्षेत्र में आस्था उमड़ी। हर घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हालांकि, जोनल प्लान लागू करने का नतीजा रहा कि संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर अपेक्षाकृत दबाव कम रहा। संगम स्नान के लिए लगातार भीड़ बनी हुई है। ऐसे में माघी पूर्णिमा स्नान पर दो करोड़ लोगों के आने की उम्मीद की जा रही थी और ऐसा ही नजारा दिखा। मंगलवार रात से ही भारी भीड़ आने लगी थी और बुधवार की सुबह तो रेला उमड़ा। इसे देखते हुए डायवर्जन एवं जोनल प्लान को पूरी तरह से लागू किया गया।

वाराणसी की तरफ से आने वाले वाहनों को अंदावा की तरफ ही रोक दिया गया था। उधर, से आने वाले लोगों को छतनाग घाट की तरफ मोड़ दिया गया। इसी तरह से झूंसी रेलवे एवं बस स्टेशन से आने वाले श्रद्धालुओं को टीकरमाफी मार्ग से मोड़कर मेले में भेजा रहा था। साथ ही इनसे नजदीकी गंगा घाट पर स्नान की अपील की जाती रही। इस बाबत जगह-जगह बेरिकेडिंग भी की गई थी।

इसी तरह की व्यवस्था अन्य मार्गों से आने वाले स्नानार्थियों के लिए भी की गई थी। कंट्रोल रूम से भी लगातार अपील की जाती रही कि नजदीकी घाट पर ही स्नान करें। इसका नतीजा रहा कि गंगा के दोनों तट पर करीब 12 किमी में बने घाटों पर भीड़ बंट गई। इससे संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर बहुत दबाव नहीं दिखा। इसके अलावा घाटों पर सुरक्षा कर्मियों के अलावा गंगा दूतों, नागरिक सुरक्षा कोर समेत अन्य संस्थाओं के सदस्य भी मौजूद रहे जो स्नानार्थियों को स्नान के बाद रुकने नहीं दे रहे थे। इससे भी भीड़ निकलती गई।

यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि ₹यह महाकुंभ 2025 का 5वां स्नान है, इसके बाद महाशिवरात्रि का स्नान होगा। मौनी अमावस्या पर एक दुर्घटना हुई थी। हमने इससे सबक लिया और नई तकनीकें लागू कीं। 'बिल्ड बैक बेटर' की एक प्रबंधन तकनीक है। हमने खुद को बेहतर बनाने के लिए समुदाय की प्रतिक्रिया ली और नई तकनीकों को लागू किया। नतीजतन, अब तक 46 से 47 करोड़ लोग महाकुंभ में आ चुके हैं। आज सुबह 10 बजे तक 1.3 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई है। हम चित्रकूट, मिजार्पुर विंध्यांचल मंदिर, विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि प्रयागराज में डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु इन स्थानों पर जा रहे हैं। हमने लखनऊ में एक वॉर रूम बनाया है जहां प्रयागराज क्षेत्र की लाइव फीड मिलती है। 2500 से अधिक कैमरे सक्रिय हैं। हम प्रयागराज में कछउ में लाइव फीड प्राप्त करते हैं। नई भीड़ प्रबंधन तकनीकों ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं और भारी भीड़ के बीच भी चीजें सुचारू रूप से चल रही हैं। मौनी अमावस्या की भगदड़ पर यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि उस दिन हमारी आकस्मिक योजना सफल रही। घटना होते ही हमारी एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और 10-15 मिनट के अंदर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बचाव और राहत कार्य भी तेजी से हुआ। इससे पता चलता है कि योजना में कोई चूक नहीं हुई। न्यायिक समिति गठित की गई है। घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी और ऐसा नहीं होना चाहिए था।

यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि ...कुछ वीकेंड ऐसे होते हैं जब भीड़ बढ़ जाती है और ट्रैफिक धीमा हो जाता है...लोग अनुशासन का पालन करने में भी विफल हो जाते हैं...लेकिन कुछ ही समय में ट्रैफिक सुचारू हो जाता है...।

मुस्लिम से सनातनी बने वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण ने संगम में लगाई पवित्र डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी मंगलवार को महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। कहा कि संगम स्नान करने के बाद बहुत खुशी मिल रही है। उन्होंने घोषणा की कि अपनी खुशी से इस्लाम धर्म छोड़कर सनातन धर्म अपनाने वालों का स्वागत है। वह एक संगठन तैयार कर रहे हैं। जिसमें सनातन धर्म में आने वाले लोगों की आर्थिक मदद की जाएगी। कारोबार शुरू करने में भी सहायता की जाएगी।

वसीम रिजवी बन गए हैं जितेंद्र नारायण : वसीम रिजवी ने 2021 में इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया था। अपना नाम जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर रख लिया है। उन्होंने मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद उन्होंने कहा कि महाकुंभ में स्नान करने के बाद उन्हें बहुत खुशी महसूस हो रही है।

मुस्लिमों से घर वापसी की अपील : संगम में डुबकी लगाने के बाद जितेंद्र नारायण सिंह सेंगर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज प्रयागराज के महाकुंभ में मैंने स्नान किया, मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। मैं इस पवित्र भूमि से पूरे देश के मुसलमानों से अनुरोध करता हूं कि वो सनातन धर्म में घर वापसी पर विचार करें। मैं अपने मित्रों के सहयोग से एक संगठन बना रहा हूं, उसके जरिए सनातन धर्म में वापसी करने वाले मुसलमान परिवारों को हर महीने तीन हजार रुपये की मदद तब तक दी जाएगी, जब तक कि वो पूरी तरह से सनातन धर्म में शिफ्ट नहीं हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि इस्लाम छोड़कर जो लोग सनातन में आएंगे और अपना कारोबार शुरू करना चाहेंगे, उन्हें छोटे-मोटे कारोबार से जोड़ा जाएगा.उन्होंने कहा कि इसके लिए आपको अपनी कट्टरपंथी और जेहादी मानसिकता से वापस निकलना पड़ेगा और अपनी खुशी से सनातन धर्म में घर वापसी करनी पड़ेगी.सनातन धर्म आपका स्वागत करता है।

पहले सनातनी बने, फिर जाति भी बदल ली : वसीम रिजवी ने 2021 में इस्लाम छोड़कर सनातन धर्म अपना लिया था। इसके बाद उन्होंने अपना नाम वसीम रिजवी से बदलकर जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी रख लिया था।

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर नरसिंहानंद गिरि ने उन्हें सनातन धर्म ग्रहण कराया था। सनातन धर्म अपनाने के बाद उन्होंने गाजियाबाद के पास स्थित डासना मंदिर में कहा था, जब मुझे इस्लाम से निकाल ही दिया गया है, तो ये मेरी मर्जी है कि मैं किस धर्म को स्वीकार करूं। मैंने सनातन धर्म चुना, क्योंकि सनातन धर्म दुनिया का सबसे पहला धर्म है और उसके अंदर जितनी अच्छाइयां हैं, उतनी दुनिया के किसी भी धर्म में नहीं हैं।

1984 सिख दंगा से जुड़े केस में सज्जन कुमार दोषी करार

सज्जन कुमार पर भीड़ का नेतृत्व करने का आरोप, दो लोगों की हत्या कर घर में की गई थी लूटपाट

नई दिल्ली। सिख दंगा के एक और केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को दोषी करार दिया। कोर्ट 18 फरवरी को सजा सुनाएगी।

इस मामले में 41 साल बाद फैसला आया है। यह केस 1984 सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार में 2 सिखों की हत्या से जुड़ा है। दिल्ली दंगों में सज्जन के खिलाफ 3 से ज्यादा केस चल रहे हैं। एक में वे बरी हो चुके हैं।

इससे पहले दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उन्हें हिंसा कराने और दंगा भड़काने का दोषी पाया था और उम्रकैद की सजा सुनाई थी। फिलहाल सज्जन तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं।

सज्जन कुमार के खिलाफ दंगा, हत्या और डकैती के आरोप में कछउ की धारा 147, 149, 148, 302, 308, 323, 395, 397, 427, 436, 440 के तहत केस दर्ज किया गया था।

1984 में हत्या, 2021 में आरोप तय, 2025 में फैसला... सरस्वती विहार की कहानी

1 नवंबर 1984: सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और तरुणदीप सिंह की हत्या की गई थी। पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन में सज्जन कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

16 दिसंबर 2021: पुलिस जांच को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने सज्जन के खिलाफ आरोप तय किए थे। इस दौरान पीड़ित के वकील ने दलील दी थी, ₹वकील ने कहा था, ₹बड़ी भीड़ खतरनाक हथियार लेकर सरस्वती विहार में घुसी।

उन्होंने लूटपाट, आगजनी और तोड़फोड़ शुरू कर दी। वे सिखों की प्रॉपर्टीज पर हमला कर रहे थे। वे इंदिरा गांधी की हत्या का बदला ले रहे थे। भीड़ ने जसवंत के घर हमला किया, उसकी और बेटे की हत्या कर दी। लूटपाट के बाद घर में आग लगा दी।

12 फरवरी 2025: स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने फैसला सुनाया- इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि सज्जन कुमार न केवल भीड़ में शामिल थे, बल्कि भीड़ की अगुआई भी कर रहे थे।

पहले तीन बार टल चुका है फैसला 31 जनवरी 2025 को हुई सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार पर फैसला टाल दिया था। इससे पहले 8 जनवरी और 16 दिसंबर 2024 को भी फैसला टाला गया था। दोनों बार विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की कोर्ट में तिहाड़ में बंद सज्जन कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुआ था।

दिसंबर 2021 को सज्जन कुमार ने इस मामले में खुद को निर्दोष बताते हुए ट्रायल का सामना करने की बात कही थी। ट्रायल में सज्जन कुमार को दोषी माना गया था। इसके बाद उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

1984 सिख दंगा: कब-क्या हुआ...

- 31 अक्टूबर, 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की गई थी।
- अगले दिन यानी 1 नवंबर को दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे। तब सिर्फ दिल्ली में ही करीब 2700 लोग मारे गए थे। देशभर में मरने वालों का आंकड़ा 3500 के करीब था।
- मई, 2000 में दंगे की जांच के लिए जीटी नानावती कमीशन का गठन हुआ।
- 24 अक्टूबर, 2005 को उइकने नानावती कमीशन की सिफारिश पर केस दर्ज किया।
- 1 फरवरी, 2010 को ट्रायल कोर्ट ने कांग्रेस नेता सज्जन कुमार, बलवान खोकर, महेंद्र यादव, कैप्टन भागमल, गिरधारी लाल, किशन खोकर, महा सिंह और संतोष रानी को समन जारी किया।
- 30 अप्रैल, 2013 को कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया।
- इसके खिलाफ उइकने 19 जुलाई, 2013 को हाईकोर्ट में अपील की। 22 जुलाई, 2013 को हाईकोर्ट ने सज्जन कुमार को नोटिस जारी किया।
- 17 दिसंबर, 2018 को हाईकोर्ट ने सज्जन कुमार को पांच सिखों की हत्या की हत्या के मामले में दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई।
- दंगों के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था- जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है।

नरम नहीं पड़े अनिल विज के तेवर, बीजेपी के नोटिस का 8 पेज में दे दिया जवाब

अंबाला। हरियाणा की अंबाला सीट से 7 बार के विधायक, हरियाणा सरकार में मंत्री और बीजेपी के सीनियर नेता अनिल विज के तेवर कम नहीं हुए हैं। बीजेपी ने सीएम नायब सिंह सैनी को लेकर दिए गए बयानों को लेकर उन्हें जो नोटिस भेजा था, उसका अनिल विज ने जवाब दे दिया है। विज ने यह जवाब 8 पेज में दिया है।

मंत्री अनिल विज ने कहा, 'तीन दिन से बेंगलुरु में था। कल घर आकर नहाया, फिर खाना खाया और उसके बाद बैठकर चिट्ठी का जवाब दिया। तीन दिन का समय दिया गया था लेकिन आज समय से पहले मैंने जवाब दे दिया है। विज ने बताया कि उन्होंने इस चिट्ठी में लिखा है कि अगर और किसी बात का जवाब चाहिए तो वो भी देने को तैयार हूं।'

बता दें कि अनिल विज ने मंगलवार को कहा था कि हरियाणा भाजपा द्वारा उन्हें जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पद के खिलाफ उनके हालिया सार्वजनिक बयानों पर 3 दिनों के भीतर जवाब देने के लिए कहा गया है। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा, मैं बेंगलुरु से लौट आया हूं। मैं पहले घर जाऊंगा, 'ठंडे पानी से नहाऊंगा, रोटी खाऊंगा, बैठ कर मैं जवाब लिख दूंगा। और इसे हाईकमान को भेजूंगा।

क्या है पूरा मामला?: अनिल विज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा कीं थीं, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के एक 'दोस्त' के साथ देखे गए 'कार्यकर्ताओं' को एक निर्दलीय उम्मीदवार के साथ भी देखा गया, जिसे उन्होंने पिछले साल विधानसभा चुनावों में हराया था।

7 बार से विधायक हैं अनिल विज : मंत्री अनिल विज कुछ दिन पहले दावा किया था कि पिछले अक्टूबर में उन्हें अंबाला कैंट सीट से चुनाव हराने के लिए साजिश रची गई थी। हालांकि, बता दें कि विज ने अंबाला कैंट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार चित्रा सरवारा को हराकर जीत हासिल की थी और सातवीं बार विधायक बने थे।' 'अनिल विज ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आशीष तायल जो खुद को नायब सैनी का मित्र बताते हैं, उनकी फेसबुक पर नायब सैनी के साथ। अनेक चित्र मौजूद हैं। आशीष तायल के साथ विधानसभा चुनाव के दौरान जो कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं वही कार्यकर्ता चित्रा सरवारा भाजपा की विरोधी उम्मीदवार के साथ भी नजर आ रहे हैं।

अमानतुल्लाह का पुलिस को पत्र : मैं कहीं नहीं भागा, विधानसभा क्षेत्र में ही हूं, झूठे मामले में फंसाया जा रहा

> मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में हूं, मैं कहीं भागा नहीं हूं। दिल्ली पुलिस के कुछ लोग मुझे झूठे मामले में फंसा रहे हैं।
> -अमानतुल्लाह खान

नई दिल्ली। आप नेता और विधायक अमानतुल्लाह खान ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। आप विधायक का कहना है कि वे कहीं नहीं गए हैं और अपने विधानसभा में ही मौजूद हैं। उनका कहना है कि उन्हें झूठे केस में फंसाया जा रहा है। उधर, दिल्ली पुलिस ने अमानतुल्लाह व उवके साथियों को गिरफ्तार करने के लिए दबीश तेज कर दी है। पुलिस दिल्ली-पंजाब समेत कई जगह पर छापेमारी कर रही है।

आम आदमी पार्टी (आप) के अनुसार अमानतुल्लाह खान ने लिखा, मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में हूं, मैं कहीं भागा नहीं हूं। दिल्ली पुलिस के कुछ लोग मुझे झूठे मामले में फंसा रहे हैं। जिस व्यक्ति को दिल्ली पुलिस गिरफ्तार करने आई थी, उसे पहले ही जमानत मिल चुकी है। जब उस व्यक्ति ने अपने कागजात दिखाए, तो पुलिस अपनी गलती छिपाने के लिए मुझे झूठे मामले में फंसा रही है।

ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान व उनके समर्थकों के खिलाफ सोमवार को पुलिस टीम पर हमला करने, दंगा भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई अपराध शाखा की टीम की गिरफ्त से हत्या के प्रयास के आरोपी शाबाज खान को छुड़ाने पर की गई।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर शाम को पूछताछ करने विधायक के घर गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। दरअसल अपराध शाखा की टीम जामिया नगर में बदमाश को पकड़ने गई थी। विधायक की मौजूदगी में पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अपराध शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनील कालखंडे की टीम पर हमला कर हत्या के प्रयास के आरोपी को छुड़ा लिया गया। विधायक भी उस समय वहां मौजूद थे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान ने 23 हजार से ज्यादा के अंतर से जीत दर्ज की। यहां उन्होंने भाजपा के मनीष चौधरी को हराया। मनीष को कुल 65304 वोट मिले, अमानतुल्लाह को कुल 88943 वोट मिले।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का निधन

लखनऊ पीजीआई में 85 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

अयोध्या। राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का निधन हो गया है। उन्होंने 85 साल की उम्र में लखनऊ पीजीआई में अंतिम सांस ली। आचार्य सत्येंद्र दास को 3 फरवरी के दिन ब्रेन हेमरेज के बाद गंभीर हालत में लखनऊ पीजीआई के न्यूरोलॉजी वार्ड के एचडीयू में भर्ती कराया गया था। आचार्य सत्येंद्र दास के निधन पर अयोध्या के मठ मंदिरों में शोक की लहर है।

आचार्य सत्येंद्र दास के शिष्य प्रदीप दास ने बताया कि लंबी बीमारी के बाद लखनऊ के पीजीआई में सुबह करीब 8 बजे उनका निधन हुआ है। उनका पार्थिव शरीर पीजीआई से अयोध्या लाया जा रहा है। उनके पार्थिव शरीर को अयोध्या लेकर शिष्य निकल चुके हैं। अंतिम संस्कार कल (13 फरवरी) अयोध्या में सरयू नदी के किनारे होगा। हाल ही में पीजीआई ने हेल्थ बुलेटिन जारी कर बताया था कि सत्येंद्र दास को मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियां हैं।

ली थी आचार्य की डिग्री

1992 में जब उनकी राम मंदिर में नियुक्ति हुई थी, तब उन्हें वेतन के रुपए में हर महीने 100 रुपए मिलते थे। साल 2018 तक सत्येंद्र दास का वेतन सिर्फ 12 हजार रुपए महीना था। 2019 में अयोध्या के कमिश्नर के निर्देश के बाद उनका वेतन 13 हजार कर दिया गया था।

सत्येंद्र दास ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि उन्होंने 1975 में संस्कृत विद्यालय से आचार्य की डिग्री हासिल की थी। इसके बाद 1976 में उन्हें अयोध्या के संस्कृत महाविद्यालय में व्याकरण विभाग में सहायक अध्यापक की नौकरी मिली थी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महंत सत्येंद्र दास के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने कहा, 'राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। धार्मिक अनुष्ठानों और शास्त्रों के ज्ञाता रहे महंत जी का पूरा जीवन भगवान श्री राम की सेवा में समर्पित रहा। देश के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन में उनके अमूल्य योगदान को हमेशा श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाएगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों एवं अनुयायियों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!' सत्येंद्र दास ने राम मंदिर की सेवा में करीब 33 साल बिताए। फरवरी 1992 में जब 'विवादित जमीन' की वजह से राम जन्मभूमि की जिम्मेदारी जिला प्रशासन के पास चली गई थी।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। गुरुवार 13 फरवरी -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

कहां लगेंगे साप्ताहिक बाजार निगम में आज होगी महत्वपूर्ण बैठक

टाउन वेंडिंग कमेटी का भी किया जाना हैं पुनर्गठन • गाजियाबाद में लग रहे हैं 65 स्थानों पर पैठ-साप्ताहिक बाजार रिपोर्ट हुई तैयार

भाजपा के मंत्री और विधायक भी उठा चुके हैं साप्ताहिक व्यापारियों के हक की आवाज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : लंबे समय से गाजियाबाद में साप्ताहिक बाजार के स्थान परिवर्तन और नए विकल्प तलाशने का प्रयास हो रहा है। साप्ताहिक बाजार कहा लगेंगे और किस दिन किस एरिया में पैठ बाजार लगेगा, इसको लेकर नगर निगम में गुरुवार को अहम बैठक होनी है। बैठक की अध्यक्षता नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक करेंगे, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय होने हैं। इसी के साथ नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का कहना है कि टाउन वेंडिंग कमेटी का पुनर्गठन किया जाना हैं। नगर निगम के अधिकारियों को अलग-अलग जोन के हिसाब से संयुक्त सर्वे रिपोर्ट मिली है। उसमें गाजियाबाद नगर निगम सीमा के अंतर्गत 65 स्थानों पर बाजार लगता है। इसमें पैठ, बाजार और साप्ताहिक बाजार दोनों ही शामिल हैं। वहीं नगर आयुक्त को जो रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है ,उसके अनुसार वसुंधरा जोन में 24 स्थानों पर पैठ और साप्ताहिक बाजार लगता है। तो वही कवि नगर जोन में 15 स्थानों पर, मोहन नगर जोन में 8 और विजयनगर के अंतर्गत 7 और सिटी जोन में 11 स्थानों पर बाजार लगते हैं। जिसकी रिपोर्ट निगम को दे दी गई है। वहीं गुरुवार को होने वाली टाउन वेंडिंग कमेटी में महत्वपूर्ण योजना बनाई जाएगी ,जिसमें कई प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा भी होगी। इस बैठक में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव समस्त जोनल प्रभारी, पीओ डूडा संजय व स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रहेगी।

टाउन वेंडिंग कमेटी का होना है पुनर्गठन

करंट क्राइम : नगर निगम चाहता है कि शहर में जाम ना लगे और अवैध अतिक्रमण को बढ़ावा ना मिले, इसलिए साप्ताहिक बाजारों को व्यवस्थित किया जाना है। इसके लिए आधा सर्वे किया जा चुका है, नगर निगम इसकी लगातार कार्रवाई कर रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बताया गया है की साप्ताहिक बाजार को लेकर टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक से पूर्व संबंधित अधिकारियों से वार्ता की गई है। टाउन वेंडिंग कमेटी के पुनर्गठन को लेकर भी चर्चा की गई है। साप्ताहिक बाजार और पैठ बाजार व्यवस्थित ढंग से लगे, इससे जाम की स्थिति पैदा ना हो। वहीं आमजन को नुकसान ना हो और निगम को भी किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इसके लिए जनप्रतिनिधियों से लेकर बाजार की समिति के लोगों, स्थानीय पार्षदों और कई अन्य प्रमुख लोगों की राय लेते हुए टाउन वेडिंग कमेटी भी गठित की जानी है। वर्तमान में जो टाउन वेंडिंग कमेटी है, वह 2017 में गठित हुई थी, जिसका पुनर्गठन होना है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बताया गया है की साप्ताहिक बाजार को लेकर टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक से पूर्व संबंधित अधिकारियों से वार्ता की गई है।

वसुंधरा जोन में लगते हैं सबसे ज्यादा बाजार और विजयनगर में है सबसे कम स्थान

करंट क्राइम : गाजियाबाद नगर निगम की सीमा अंतर्गत लगभग 65 स्थानों पर अलग-अलग दिन बाजार साप्ताहिक बाजार और पैठ लगती है। जिसमें वसुंधरा जोन के अंतर्गत सर्वाधिक 24 स्थानों पर बाजार लगता है। तो कवि नगर जोन अंतर्गत 15 स्थानों पर, मोहन नगर 8, विजय नगर में केवल 07, विजयनगर में सबसे कम बाजार लगते हैं। तो वहीं सिटी जोन के अंतर्गत भी 11 स्थानों पर बाजार लगता है। उधर निगम के सूत्र बता रहे हैं कि बाजार इस प्रकार से लगने पर रणनीति बना रही है कि जाम की स्थिति ना बने और अवैध अतिक्रमण को भी बढ़ावा ना मिले।

निगम के सूत्र बता रहे हैं कि बाजार इस प्रकार से लगने पर रणनीति बना रही है कि जाम की स्थिति ना बने और अवैध अतिक्रमण को भी बढ़ावा ना मिले।

टाउन वेंडिंग कमेटी तय करेगी स्थान

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक लगातार शहर हित के काम करवा रहे हैं। तो वह साप्ताहिक बाजार को व्यवस्थित करने की योजना पर भी निरंतर चर्चा कर रहे हैं। नई टाउन वेंडिंग कमेटी नगर आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक के उपरांत साप्ताहिक बाजार को व्यवस्थित ढंग से लगाने की तैयारी भी चल रही है। देखना होगा कि गुरुवार को बैठक क्या रंग लेकर आती है। इसका जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के बीच में कितना तालमेल बना पाता है और साप्ताहिक बाजार के मुद्दे को लेकर लगातार आक्रामक रूख अपनाने वाले लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर का क्या मत रहता है।

करंट क्राइम : गाजियाबाद में साप्ताहिक बाजार बंद होंगे या चालू रहेंगे, इस विषय को लेकर लगातार राजनीति हो रही है। तो एक बड़ा वर्ग इससे परेशान भी चल रहा है, इस मामले को लेकर व्यापारियों के साथ लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। तो वही भाजपा की पार्षद शीतल चौधरी भी इस आंदोलन में उनके समर्थन में उतरी थी। इसके साथ ही बीते दिनों प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साप्ताहिक बाजार के विषय में जब उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप की बैठक हुई थी ,तो उन्होंने भी कहा था कि वह साप्ताहिक बाजार के व्यापारियों को नुकसान नहीं होने देंगे। हालांकि उन्होंने इस बात को भी कहा था कि उनके लिए एक स्थान तय हो और आमजन को परेशानी ना हो, ऐसी व्यवस्था के लिए भी बीच का रास्ता निकाला जाए। कुल मिलाकर देखना होगा की साप्ताहिक बाजार वाला यह मामला अभी कितने दिनों और गर्म बना रहता है।

पूर्व पार्षद का लेटर दे रहा है इस बात का संकेत

शत्रु संपत्ति का मुद्दा गूंजेगा शहर में

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कुछ समय पहले मोदीनगर में शत्रु संपत्ति का मामला उठा था। इस मुद्दे को लेकर धरना भी दिया गया था और लोग भी काफी परेशान रहे थे और एक बार फिर शत्रु संपत्ति का मुद्दा गाजियाबाद में निकल आया है। मामला गाजियाबाद के बजरिया इलाके से जुड़ा है और यहां लोगों को नोटिस आ गए हैं। लोग परेशान हैं और देश के बंटवारे के बाद 1947 की संपत्ति का मामला अब 2025 में निकलकर सामने आया है। लोगों के पास नोटिस पहुंच रहे हैं और लोग परेशान हैं। इस मामले को भाजपा के पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने उठाया है। गाजियाबाद के बजरिया मोहल्ले में रहने वाले बहुत सारे परिवारों की संपत्ति को शत्रु सम्पत्ति घोषित कर जांच की जा रही है। खास बात ये है कि ये संपत्ति वो संपत्ति है जो 1947 में देश के बंटवारे के बाद आकर बसे पंजाबी हिंदू परिवारों को उनकी पाकिस्तान की संपत्ति के क्लेम में बजरिया में संपत्ति प्राप्त हुई थी और उनको क्लेम वाउचर सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए थे, जिनको आज की भाषा में बैनामा माना जाता है। पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने शत्रु संपत्ति का ये मामला उठाया है। उनका कहना है कि इससे बजरिया के पंजाबी परिवार प्रभावित हुए हैं और अब लोग धरना देने की तैयारी कर रहे हैं। क्योंकि 1950 के जमींदारी खात्मे के बाद भी कुछ लोग यहां आकर बसे। उन लोगों की वर्तमान पीढ़ियां यहां निवास कर रहीं हैं, व्यापार कर रही हैं उन सभी को शत्रु संपत्ति विभाग का नोटिस आना न्यायसंगत नहीं है। कहीं ऐसा ना हो कि ये हिंदु और पंजाबी परिवार बाजार में सड़कों पर उतरकर धरना आदि देने को मजबूर हो जाएं।

लोगों के पास हैं दस्तावेज जबकि शत्रु संपत्ति विभाग के पास नहीं है अपना कोई रिकॉर्ड

करंट क्राइम। पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने बताया है कि बजरिया के कुछ ऐसे परिवार हैं जिनके पुरखों ने उन हिंदुओं से जमीन खरीदी थी जो पूर्वत: ही भारत के और बजरिया के निवासी थे। उन्होंने अपनी संपत्ति को अलग-अलग लोगों को बेचा और फिर उन लोगों ने अपने मकान, दुकान आदि का निर्माण अपनी लागत खास से किया। उनके पास अपने हर कागज की मूल प्रतियां उपलब्ध हैं फिर भी उनको शत्रु संपत्ति बताया जा रहा है। बजरिया के निवासियों ने अपने सभी मालिकान कागजात शत्रु संपत्ति विभाग लखनऊ को उपलब्ध कराए। वहां जाकर जानकारी मिली कि शत्रु संपत्ति विभाग के पास अपना कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। शत्रु संपत्ति विभाग बिना रिकॉर्ड के ही जनता को घर से बेघर करने पर उतारू है।

रोजाना हो रही है बजरिया में लोगों की मीटिंग और बन रही है रणनीति

करंट क्राइम। आजादी के बाद से पंजाबी परिवार यहां आए और उन्हें क्लेम में बजरिया की संपत्ति प्राप्त हुई। क्लेम वाउचर सरकार ने उपलब्ध कराए और अब शत्रु संपत्ति विभाग कागज मांग रहा है। लोग परेशान हैं और बताया जाता है कि बजरिया में लोग रातों को मीटिंग कर रहे हैं। उन्हें ये डर है कि कहीं उन्हें घर से बेघर ना कर दिया जाए। मोदीनगर में भी ऐसा ही हुआ था और वहां भी 600 परिवारों के साथ भी शत्रु संपत्ति होने की जांच की जा रही है।

परिवारों के पास है क्लेम वाउचर और पटवारी ने बता दिया फर्जी कागज

करंट क्राइम। पूर्व पार्षद हिमांशु लव ने एक पत्र लिखा और फिर ये पता चला कि मामला शत्रु संपत्ति का है। ये जमीन दस्तावेजों के हिसाब से ग्राम कैला के खसरा नंबर की जमीन है। यह जमीन लगभग 16 हजार वर्ग गज है। इसमें आजादी के बाद पाकिस्तान से आए हिंदू परिवारों को बसाया गया था। इन सभी छह सौ परिवारों के पास अपने क्लेम वाउचर हैं जो आज बैनामा कहे जाते हैं। ये सभी क्लेम वाउचर 1948, 1949, 1950 व 1951 के किये हुए हैं। उस समय सरकार ने इन्हें बैनामा माना था और आज के पटवारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उनको फर्जी कागज बताकर उन्हें शत्रु संपत्ति बता रहे हैं। यहां रहने वाले परिवारों में अब भय व्याप्त है, उन्हें घर से बेघर किये जाने का खतरा सता रहा है।

जीडीए की समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों पर किया गया गहन मंथन, विकास कार्यों में तेजी के दिए गए निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में प्राधिकरण से जुड़े विभिन्न लंबित प्रकरणों और योजनाओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों को लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण, भूमि क्रय प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को दूर करने और जोनल प्लान की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

सबसे पहले मानचित्रों की अनापत्ति की स्थिति का जायजा लिया गया। उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने निर्देश दिया कि लंबित अनापत्तियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र जारी किया जाए, जिससे योजनाओं को गति मिले। प्रक्रिया को सरल और डिजिटल माध्यमों से अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया।

इसके बाद भू-अर्जन अनुभाग द्वारा मानचित्रों के स्वामित्व परीक्षण संबंधी कार्यवाही पर ड्राफ्ट प्रारूप प्रस्तुत किया गया। इस प्रारूप को और अधिक प्रभावी बनाने और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारों पर विस्तार से चर्चा हुई।

लारा कोर्ट में लंबित वादों की समीक्षा करते हुए सभी वादों को योजनावार और ग्रामवार सूचीबद्ध किया गया। रेफरेंस वाद और इजराय वाद को अलग-अलग वर्गीकृत कर निस्तारण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

जोन-1 के जोनल प्लान में आपसी सहमति से भूमि क्रय के प्रस्तावों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इसमें दो प्रमुख पहलुओं पर चर्चा हुई:

1. पहले से दर निर्धारित गांवों में भूमि क्रय प्रक्रिया में आ रही चुनौतियों का समाधान।

2. पहली बार दर निर्धारित करने वाले गांवों के लिए ठोस और व्यावहारिक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए।

हम तुम रोड और आउटर रिंग रोड जैसी प्रमुख सड़कों पर विशेष ध्यान दिया गया। उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि हम तुम रोड क्षेत्र में भूमि क्रय और भू-अधिग्रहण से संबंधित वादों का शीघ्र निस्तारण आवश्यक है, ताकि यातायात और कनेक्टिविटी की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके और जनता को यातायात की परेशानियों से निजात दिलाया जा सके, इसके लिए टोटल स्टेशन सर्वे कराया जा रहा है। इसी प्रकार, आउटर रिंग रोड से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने की जरूरत पर बल दिया गया।

इसके अलावा, इंटीग्रेटेड टाउनशिप और हाइटेक टाउनशिप परियोजनाओं से संबंधित लंबित भू-अधिग्रहण प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाए, ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकें और नागरिकों को सुविधाएं मिलें।

बैठक के अंत में उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने सभी अनुभागों से कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी । योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

देखिए दूधेश्वर नाथ मंदिर के महंत नारायण गिरी की नजर से महाकुंभ

जूना अखाड़े के संतों ने माघ पूर्णिमा स्नान पर मिसाल कायम की : श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज

करोड़ों की भीड़ के चलते जूना अखाड़े के संतों ने श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के नेतृत्व में प्रातः की बजाय दोपहर में स्नान किया

करंट क्राइम। श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर के महंत तथा जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी इन दिनों कुंभ मेले में है। गाजियाबाद के लिए महंत नारायण गिरी विशेष रूप से प्रतिदिन कुंभ मेले की आस्था से लेकर व्यवस्था तक पूरा हाल बता रहे हैं। दैनिक करंट क्राइम के साथ वो प्रतिदिन कुंभ मेले से प्रकाशित होंगे।

प्रयागराज, करंट क्राइम। जूना अखाड़े के संतों ने प्रयागराज महाकुंभ में माघ पूर्णिमा के मुख्य स्नान पर मिसाल कायम की। स्नान के लिए उमड़े विश्व भर के भक्तों की करोड़ों की भीड़ को देखते हुए उन्होंने प्रातः की बजाय दोपहर में स्नान किया। माघ पूर्णिमा पर बुधवार को भक्तों का सैलाब उमड़ा। संगम व उसके आसपास के क्षेत्रों में तो पैर तक रखने की जगह नहीं थी। इसी के चलते जूना अखाड़े के संतों ने प्रातः स्नान नहीं किया और विश्व भर से आए भक्तों की सुविधा के लिए उन्होंने दोपहर को 2 बजे संगम में स्नान किया।

जगतगुरू शंकराचार्य महेंद्रानंद सरस्वती महाराज व जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के नेतृत्व में श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज, रमता पंच के निरंजन भारती महाराज, मेला प्रभारी श्रीमहंत मोहन भारती महाराज, महामंडलेश्वर रवि गिरि महाराज, श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज, सचिव विद्यानंद गिरि महाराज, सचिव ओम भारती महाराज, निर्वाण मंत्री शैलजा गिरि महाराज, महाकाल गिरि महाराज समेत हजारों संतों व भक्तों ने दोपहर 2 बजे संगम में माघ पूर्णिमा का मुख्य स्नान किया।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ अब तक का सबसे ऐतिहासिक, दिव्य व भव्य महाकुंभ बन गया है। महाकुंभ में विश्व भर के भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है और जूना अखाड़ा ने खुद से पहले भक्तों को प्राथमिकता देकर मिसाल कायम की है। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज व जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के नेतृत्व में बुधवार को यह निर्णय लिया गया कि पहले भक्त स्नान करेंगे, उसके बाद जूना अखाड़े के संत स्नान करेंगे।

इसी के चलते माघ पूर्णिमा का स्नान प्रातः की बजाय दोपहर 2 बजे किया गया। महाकुंभ में प्रवेश यात्रा के समय भी जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, श्रीमहंत, महंत, थानापति समेत सभी पदाधिकारी व सभी संत रथों व घोडों आदि के स्थान पर भक्तों के साथ ही संगम तक पहुंचे थे।

संपादकीय

प्राथमिकता में AI

पेरिस में हुई AI एक्शन समिट ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की अहमियत और सुरक्षा पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ इसका सह-अध्यक्षता की और भारत के टैलंट पूल की भूमिका को रेखांकित किया। भविष्य में भारत की पहल को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

पेरिस में हुए दो दिवसीय AI एक्शन समिट ने जहां आने वाले दौर के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की अहमियत को रेखांकित किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

बैठक की टाइमिंग यह AI एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी अपने इनोवेशन से पूरी दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। कम समय और बहुत कम लागत में कहीं बेहतर अकट्टूल पेश करके बताया कि इस फील्ड में आउट ऑफ बॉक्स सोच से ज्यादा बड़ी चीज कुछ नहीं है।

जरूरी है सतर्कता इसमें दो राय नहीं कि वाकई कमाल किया है। लेकिन निरंतर बदलती, विकसित होती तकनीक वाली इस फील्ड में हर इनोवेशन की अपनी सीमाएं भी होती हैं, जिनका ध्यान रखने की जरूरत होती है। खासकर सुरक्षा से जुड़े पहलू को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बिंदु पर इस चीनी इनोवेशन को भी कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

पारदर्शिता और तालमेल इसी पहलू को रेखांकित करती है यह तीसरी अकएक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शिखर बैठक में भी कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं।

भारत की भूमिका भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। अक इनोवेशन में भारत पीछे छूटने का जोखिम नहीं उठा सकता।

जनवरी में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.31 प्रतिशत पर आई

आधिकारिक आंकड़े जारी

नई दिल्ली। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में धीमी होकर 4.31 प्रतिशत पर आ गई। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में धीमी होकर 4.31 प्रतिशत पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 5.22 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 5.1 प्रतिशत थी। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 6.02 प्रतिशत रही, जो दिसंबर में 8.39 प्रतिशत तथा एक वर्ष पूर्व माह में 8.3 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि खुदरा मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे।

बीते एक साल में खुदरा महंगाई दर के आंकड़े

इससे पहले, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी एक रिपोर्ट में उपभोक्ता मुद्रास्फीति जनवरी 2025 में पांच महीने के निचले स्तर 4.60% पर आने की उम्मीद जतायी थी। दिसंबर 2024 खुदरा महंगाई दर 5.22% दर्ज की गई थी। आज आने वाले महंगाई के आंकड़ों में यह गिरावट उन भारतीय परिवारों को बहुत जरूरी राहत देगी जो जीवनयापन की लगातार बढ़ती लागत से परेशान हैं और भोजन पर काफी अधिक राशि खर्च कर रहे हैं। रिपोर्ट में अर्थशास्त्रियों के हवाले से कहा गया है कि मुद्रास्फीति में इस गिरावट का श्रेय स्थानीय बाजारों में सर्दियों की ताजा उपज है। रिपोर्ट के अनुसार सब्जियों की कीमतों में गिरावट ने मुद्रास्फीति में गिरावट में प्रमुख भूमिका निभाई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हालिया मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और महंगाई को नियंत्रित करने की दिशा में कदम उठाते हुए रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती करते हुए इसे 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया।

देश में पाम ऑयल का आयात 13 वर्षों के निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश में पाम ऑयल का आयात सालाना आधार पर 65% घटकर जनवरी 2025 में 2,75,241 टन पर पहुंच गया। आयात का यह आंकड़े पिछले 13 वर्षों में सबसे कम है। तेल कारोबारियों के संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोशिएशन के अनुसार पॉम ऑयल के आयात में कमी का सबसे प्रमुख कारण खरीदारों की ओर से सोयाबीन के तेल को प्राथमिकता देना है। एसईए ने तेल के आयात से जुड़े आंकड़े बुधवार को जारी किए। एसईए के अनुसार खाद्य तेलों का आयात जनवरी में 13 प्रतिशत घटकर 10.49 लाख टन हो गया। पिछले साल 12 लाख टन खाद्य तेलों का आयात किया गया था।

भारतीय बाजार में पाम ऑयल की जगह ले रहा सोयाबीन ऑयल

एसईए ने अपने एक बयान में कहा, भारत में पाम ऑयल धीरे-धीरे बाजार में अपनी पकड़ खो रहा है। उसकी जगह सोयाबीन का तेल ले रहा है। मलेशिया से आने वाले पाम ऑयल की सप्लाई में कमी आने से ग्राहकों ने खरीदारी में दक्षिण अमेरिका से आने वाले सोयाबीन ऑयल की खरीदारी में रुचि दिखाई है। पाम ऑयल से जुड़े उत्पादों में परिष्कृत और गंध वाले (आरबीडी) पामोलीन का आयात सालाना 2,44,678 से घटकर अब महज 30, 465 टन रह गया है। वहीं, क्रूड पाम ऑयल का शिपमेंट 5,32,877 टन से घटकर अब 2,40,276 टन हो गया है। एसईए के अनुसार नेपाल से आने वाले सस्ते सोयाबीन ऑयल और पाम ऑयल ने घरेलू बाजार को प्रभावित किया है। नेपाल ने अक्तूबर 2024 के मध्य से जनवरी 2025 के मध्य तक भारत को करीब 1,10,000 टन खाद्य तेलों का निर्यात किया है।

भारत दुनिया में खाद्य तेलों का सबसे बड़ा आयातक देश

भारत दुनिया में खाद्य तेलों का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता और आयातक देश है। 1 फरवरी 2025 तक देश में खाद्य तेलों का करीब 21.76 लाख टन का स्टॉक मौजूद था। इंडोनेशिया और मलेशिया भारत को पाम ऑयल सप्लाई करने वाले दो प्रमुख देश है। इसके अलावा, भारत अर्जेंटीना, ब्राजील और रूस से सोयाबीन ऑयल का आयात करता है। वहीं, भारत रूस और यूक्रेन से सूरजमुखी के तेल का भी आयात करता है।

शेयर बाजार लगातार छठे दिन गिरा, सेंसेक्स 122 अंक टूटा

नई दिल्ली। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और व्यापार युद्ध की चिंताओं के बीच बुधवार को शेयर बाजार लगातार छठे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 122 अंक की गिरावट आई। इस दौरान, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स, जो कारोबार के दौरान 900 अंक से अधिक गिर गया था, अंतिम घंटे में वित्तीय शेयरों में खरीदारी के बाद संभलकर 122.52 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,171.08 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान बेंचमार्क 905.21 अंक या 1.18 प्रतिशत गिरकर 76,000 के स्तर से नीचे 75,388.39 अंक पर पहुंच गया था।

4 फरवरी से अब तक सेंसेक्स में 3.07% की गिरावट

दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी लगातार छठे दिन गिरावट के साथ 26.55 अंक या 0.12 प्रतिशत गिरकर 23,045.25 पर आ गया। कारोबार के दौरान यह 273.45 अंक या 1.18 प्रतिशत गिरकर 22,798.35 पर आ गया, जो 23,000 अंक से नीचे चला गया। 4 फरवरी से अब तक बीएसई का सूचकांक 2,412.73 अंक या 3.07 प्रतिशत गिरा है, जबकि निफ्टी 694 अंक या 2.92 प्रतिशत गिरा है।

एफआईआई ने मंगलवार को 4,486.41 करोड़ के शेयर बेचे

सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, अडानी पोर्ट्स, टाइटन और इंफोसिस में सबसे ज्यादा गिरावट रही। बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स लाभ में रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,486.41 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।

विकसित भारत लक्ष्य के लिए जुटाने होंगे 347 लाख करोड़

नई दिल्ली। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पाने के लिए वित्तीय और बैंकिंग परिसंपत्तियों को जीडीपी की तुलना में बहुत तेज रफ्तार से बढ़ना होगा। भारतीय जीडीपी के 2023 के 3.4 लाख करोड़ डॉलर की तुलना में करीब 9 गुना बढ़कर 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने के लिए घरेलू बैंकिंग क्षेत्र को अगले दो दशक में 347.3 लाख करोड़ रुपये (4 ट्रिलियन डॉलर) की पूंजी जुटाने की आवश्यकता होगी। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पाने के लिए वित्तीय और बैंकिंग परिसंपत्तियों को जीडीपी की तुलना में बहुत तेज रफ्तार से बढ़ना होगा। भारतीय जीडीपी के 2023 के 3.4 लाख करोड़ डॉलर की तुलना में करीब 9 गुना बढ़कर 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

गुणक प्रभाव पैदा करने में मिलेगी जरूरी मदद

बैंकिंग क्षेत्र के चार लाख करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाने से गुणक प्रभाव पैदा करने में मदद मिलेगी। इससे व्यापार, निवेश, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा मिलेगा। एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को भी बढ़ाएगी, जिससे अधिक विदेशी निवेश आकर्षित होगा।

वित्तीय क्षेत्र का भी तेज गति से विस्तार जरूरी

रिपोर्ट के मुताबिक, अच्छी तरह से विकसित वित्तीय क्षेत्र कर्ज, निवेश और अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान कर आर्थिक विकास को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत के वित्तीय क्षेत्र को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण रूप से विस्तार करना होगा। इसलिए, वित्तीय परिसंपत्तियों को 2047 तक 19 गुना बढ़कर 120 लाख करोड़ डॉलर के स्तर तक पहुंचना होगा, जिनका मूल्य 2023 में 6.4 लाख करोड़ डॉलर था।

रोचक तथ्यों का करंट

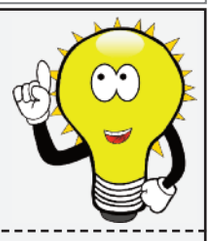

- यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो पिस्ता खाना शुरू कर दें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइवर जल्दी भूख नही लगने देते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल को कम करता है और गुड एलडीएल को बढ़ाता है। यह मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाकर दिल को मजबूत बनाए रखता है।
- इसमें मौजूद विटामिन बी 6 खून में ऑक्सीजन ले जाता है। प्रतिदिन इसके सेवन से खून में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है व हीमोग्लोबिन भी बढ़ता है।
- इसमें विटामिन-ई और वसा युक्त घुलनशील एन्टी-ओक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करते हैं।
- पिस्ता में मौजूद कैल्शियम, मैग्नेशियम और पोटेसियम हड्डियों को मजबूत करते हैं और हड्डी से संबंधित बीमारी को भी रोकते हैं।
- रोजाना एक कप पिस्ता आवश्यक फॉस्फोरस की 60 फीसदी जरूरत को पूरा करता है। यह डायबिटीज से भी बचाता है। भुना हुआ पिस्ता न खाएं, क्योंकि इसमें सोडियम अधिक होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है।

राशिफल

मेष: दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। वाणी पर संयम रखें।

वृष: व्यावसायिक लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए काम प्राप्त होंगे। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लॉटरी-सट्टे से दूर रहें।

मिथुन: किसी भी प्रकार से धनहानि के योग हैं। लापरवाही न करें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है।

कर्क: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरे आपकी बात मानेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। चोट लग सकती है।

सिंह: किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं।

कन्या: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। यात्रा सफल रहेगी। कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में अटके काम अनुकूल रहेंगे।

तुला: दुष्टजनों से सावधान रहें। वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी आवश्यक है। शारीरिक हानि की आशंका है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृश्चिक: दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। चोट लग सकती है।

धनु: ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय हो सकता है। प्रतिद्वंद्वी रास्ता छोड़ देंगे। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मकर: व्यस्तता के चलते थकान रह सकती है। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

कुंभ: वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में तनाव रह सकता है। समय पर कार्य न होने से क्षोभ उत्पन्न होगा। कोई दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मीन: लेन-देन में सावधानी रखें। आय में वृद्धि होगी। पहले की गई मेहनत का फल मिलेगा। समाजसेवा करने की इच्छा जागृत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

चुटकुले

पति-पत्नी एक ही प्लेट में गोलगप्पे खा रहे थे
एक दूसरे की आंख में आँख डाले पत्नी ने रोमांटिक हो कर पूछा !
ऐसे क्या देख रहे हो जी?
पति: थोड़ा आराम से खा, मेरी बारी ही नहीं आ रही।

पति- मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है,
जल्दी से एंबुलेंस के लिए कॉल लगाओ
पत्नी- हां, लगाती हूं
अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ
पति: रहने दो, अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

बीवी - एक बात बोलूं?
पति - बोलो
बीवी - मारोगे तो नहीं ?
पति - नहीं तो, क्या बात है?
बीवी - मैं प्रेग्नेंट हूं..
पति - अरे वाह.. अच्छी खबर है. तुम डर क्यों रही थी?
बीवी - कॉलेज के दिनों में पापा को बताया था तो बहुत मार पड़ी थी! पति बेहोश।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

13 02 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

रश्मि देसाई (अभिनेत्री)

लव राज लड्डू

तुषार गौतम

अन्नू भल्ला

शिल्पी अग्रवाल

रजनीश कुमार

आकाश वर्मा

मोहित त्यागी

नितिन अर्थला

विपुल अग्रवाल

ऋषभ जैन

सत्यम पांचोली

भूषण पंडित

अमित सैन

मुसरन मीर

संजीव कुमार त्यागी

सुभाष पांडेय

इरफान अली सिद्दीकी

मौ. इमरान

असलम खान

प्रशांत सिंह बिष्ट

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

ज्योति याराजी और अनिमेष कुजूर को स्वर्ण

पदक तालिका में सेना शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। बाधा दौड़ की स्टार खिलाड़ी ज्योति याराजी और फरार्टा धावक अनिमेष कुजूर ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेलों में अपना क्रमशः दूसरा और तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि पैदल चाल के 15 खिलाड़ियों ने खेलों के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। सेना इस बीच पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इससे पहले 100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर का खिताब जीतने वाले ओडिशा के 21 वर्षीय कुजूर ने 20.58 सेकेंड के समय के साथ पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में भी स्वर्ण पदक जीता। उनका यह समय गुजरात में 2022 में असम के अमलान बोरगोहेन के 20.55 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड से थोड़ा अधिक था।

सौ मीटर बाधा दौड़ की स्वर्ण पदक विजेता आंध्र प्रदेश की 25 वर्षीय याराजी ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.35 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिल्ली की मध्यम दूरी की धाविका केएम चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने दो मिनट 0.82 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता और 2022 प्रतियोगिता के दो मिनट 1.58 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के अपने पिछले रिकॉर्ड को बेहतर किया। उन्होंने इससे पहले 1500 मीटर में भी स्वर्ण जीता था।

मंगलवार को सेना ने नौ स्वर्ण सहित 17 पदक जीते और 54 स्वर्ण, 22 रजत, 21 कांस्य सहित कुल 97 पदक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि खेलों में अब केवल दो दिन बचे हैं। पिछले सत्र की शीर्ष टीम महाराष्ट्र 144 पदक (41 स्वर्ण, 51 रजत, 52 कांस्य) के साथ दूसरे स्थान पर है। कर्नाटक 75 पदक (33 स्वर्ण, 18 रजत, 24 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि हरियाणा (28 स्वर्ण, 40 रजत, 44 कांस्य) और मध्य प्रदेश (25 स्वर्ण, 18 रजत, 18 कांस्य) शीर्ष पांच में शामिल हैं।

इससे पहले सुबह के सत्र में अभूतपूर्व नतीजे में राष्ट्रीय खेलों की महिला 10 किमी पैदल चाल स्पर्धा पूरी करने वाली सभी नौ प्रतिभागियों ने 26 साल पहले बने खेलों के रिकॉर्ड समय से बेहतर प्रदर्शन किया। स्पर्धा में 11 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया लेकिन दो स्पर्धा को पूरा नहीं कर पाई। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी ने अपनी प्रविष्टि भेजी थी लेकिन उन्होंने स्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया। मणिपुर में 1999 के बाद इस स्पर्धा की राष्ट्रीय खेलों में वापसी हुई है।

पिछले साल 20 किमी स्पर्धा में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय और राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप जीतने वाली हरियाणा की रवीना ने 45.52 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 1999 खेलों के दौरान इम्फाल में बनाए मणिपुर की वाई बाला देवी के 51.56 सेकेंड के खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। रवीना के बाद स्पर्धा पूरी करने वाली आठ प्रतिभागियों ने भी 51.56 सेकेंड के खेलों के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तराखंड की शालिनी (46.12 सेकेंड) ने रजत जबकि उत्तर प्रदेश की मुनिता प्रजापति (46:23 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। तमिलनाडु की मोकावी मुथुराथिनम (46.23 सेकेंड), उत्तराखंड की पायल (47.36 सेकेंड), उत्तर प्रदेश की रेशमा पटेल (48.16 सेकेंड), उत्तराखंड की मानसी नेगी (48.32 सेकेंड), महाराष्ट्र की सेजल सिंह (49.33 सेकेंड) और हरियाणा की मोनिका (51.45 सेकेंड) ने भी पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर समय निकाला।

श्रीलंका ने पहला वनडे 49 रन से जीता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई, असलंका की सेंचुरी, तीक्षणा को 4 विकेट

नई दिल्ली। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को दो मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में 49 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बुधवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम 46 ओवर में 214 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। 215 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम 33.5 ओवर में 165 रन बनाकर सिमट गई। श्रीलंका के लिए चरिथ असलंका ने सेंचुरी (127) लगाई। वहीं, महीश तीक्षणा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

असलंका ने 126 बॉल पर 127 रन बनाए टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना श्रीलंकाई टीम के लिए सही साबित नहीं हुआ। टीम ने 4 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। पाथुम निसांका 4 रन बनाकर आउट हुए। टीम को दूसरा झटका 6 रन पर लगा। अविष्का फर्नांडो 1 रन बनाकर चलते बने। टीम के लिए कप्तान चरिथ असलंका ने शतक लगाया। उन्होंने 126 बॉल पर 127 रन की पारी खेली।

उनके अलावा दुनिथ वेल्लालागे 30, कुसल मेंडिस 19 और जनिथ लियानागे 11 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा बाकी कोई भी प्लेयर दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। वेल्लालागे और असलंका के बीच छठे विकेट के लिए 69 बॉल पर 67 रन की साझेदारी हुई। असलंका ने 9वें विकेट के लिए ईशान मलिंगा के साथ 79 रन की पार्टनरशिप भी की। ऑस्ट्रेलिया के लिए शॉन एबट ने 3 विकेट लिए। आरोन हार्डी, नाथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन ने 2-2 विकेट लिए। मैथ्यू शॉर्ट को 1 विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया ने 31 रन पर 4 विकेट गंवाए 215 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कंगारू टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम ने 31 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। मैथ्यू शॉर्ट खाता खोले बगैर, जैक फ्रेजर-मैगर्क 2, कूपर कोनॉली 3 और कप्तान स्टीव स्मिथ 12 रन बनाकर आउट हो गए। मार्नस लाबुशेन ने 15 और एलेक्स कैरी ने 41 रन बनाए। यहां टीम ने 85 रन के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए। टैलेंडर्स जीत नहीं दिला सके आरोन हार्डी ने 32, शॉन एबट ने 20 और एडम जम्पा ने 20 रन बनाए। नाथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन खाता भी नहीं खोल सके। टीम 33.5 ओवर में 165 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका से महीश तीक्षणा ने 4 विकेट लिए। दुनिथ वेल्लालागे और असिथा फर्नांडो को 2-2 विकेट मिले। वनिंदु हसरंगा और चरिथ असलंका ने 1-1 विकेट लिया। असलंका प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज 2-0 से जीती वनडे सीरीज से पहले श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी। ऑस्ट्रेलिया ने यह सीरीज 2-0 से जीती थी। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट पारी और 242 रन के अंतर से जीता था। वहीं, दूसरा टेस्ट में 9 विकेट से हराया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम 13 साल के बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीती है। इससे पहले 2011 में जीती थी। इसके बाद 2 सीरीज खेली गई, एक श्रीलंका ने जीती और दूसरी ड्रॉ रही।

भारत ने मकाऊ पर दर्ज की बड़ी जीत

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम ने एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्रुप डी के अपने शुरूआती मैच में मकाऊ को 5-0 से हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रही। भारत ने दुबई में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। अब उसका ग्रुप चरण के अंतिम मैच में गुरुवार को सामना कोरिया से होगा। मिश्रित युगल टीम सतीश कुमार करुणाकरण और राष्ट्रीय खेल स्वर्ण पदक विजेता आद्या वरियाथ ने लोक चोंग लियोंग और वेंग चि एंग के खिलाफ पहला मैच 21-10, 21-9 से जीता। पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने पांग फोंग पुइ को 21-16, 21-12 से हराया। मालविका बंसोड ने महिला एकल में हाओ वाइ वान के खिलाफ 21-15, 21-9 से जीत दर्ज की। चिराग शेट्टी और एम आर अर्जुन ने पुरुष युगल मुकाबले में चिन पोन पुइ और कोक वेन वोंग को 21-15, 21-19 से हराया। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने एंग वेंग चि और पुइ चि वा को 21-10, 21-5 से मात दी।

फ्रीस्टाइल शतरंज में गुकेश ने नाकामुरा से ड्रॉ खेला

पांचवें से आठवें स्थान के प्लेऑफ का था मुकाबला

अमेरिका के फाबियानो करुआना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल 0-2 से हारने के बाद गुकेश ने नाकामूरा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन डी गुकेश को फ्रीस्टाइल शतरंज के पांचवें से आठवें स्थान के मुकाबले में अमेरिकी हिकारु नाकामुरा ने ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं, सेमीफाइनल मुकाबलों में मैग्नस कार्लसन को पहले मैच में विन्सेंट कीमर से हार मिली, जबकि कारुआना और उज्बेकिस्तान को जावोखिर सिंदारोव के बीच बाजी ड्रॉ रही।

ड्रॉ नहीं खेलने के लिए मशहूर हो चुके गुकेश ने इस टूर्नामेंट में आठवीं बाजी ड्रॉ खेली। सात बाजियां उन्होंने प्रारंभिक दौर में ड्रॉ खेलीं। दिन का सबसे बड़ा परिणाम जर्मनी के कीमर की विश्व नंबर एक और इस प्रारूप के सूत्रधार मैग्नस कार्लसन पर जीत रही। अमेरिका के फाबियानो करुआना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल 0-2 से हारने के बाद गुकेश ने नाकामूरा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के साथ अंक बांटे।

फ्रीस्टाइल शतरंज में प्यादे अपनी जगह पर बरकरार रहते हैं, जबकि बाकी मोहरों की स्थिति को 960 तरीके से बदला जा सकता है। महान खिलाड़ी बॉबी फिशर फ्रीस्टाइल शतरंज की वकालत करने वाले पहले व्यक्ति थे और नए प्रारूप को मिले समर्थन को देखते हुए यह खेल का भविष्य हो सकता है।

राष्ट्रीय खेलों के 39वें सत्र की मेजबानी करेगा मेघालय, 2027 में होगा आयोजन

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा को सूचित किया है कि राज्य फरवरी-मार्च 2027 में राष्ट्रीय खेलों के 39वें सत्र की मेजबानी करेगा। अगले सत्र के मेजबान राज्य के रूप में मेघालय को उत्तराखंड में चल रहे 38वें खेलों के समापन समारोह के दौरान आईओए ध्वज सौंपा जाएगा। समारोह शुक्रवार को हल्द्वानी में होगा।

उषा ने लिखा संगमा को पत्र

उषा ने सोमवार को संगमा को लिखे पत्र में कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आईओए ने 39वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के अधिकार मेघालय को आवंटित करने का फैसला किया है जो फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित होने वाले हैं। मेघालय रोमांचक यात्रा पर निकल रहा है तो मैं आपको उत्तराखंड के हल्द्वानी में 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में आमंत्रित करना चाहती हूं जहां आईओए ध्वज औपचारिक रूप से मेघालय को सौंपा जाएगा।

'यह बहुत बड़ा सम्मान है'

संगमा ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत बड़ा सम्मान है कि उनके राज्य को 2027 में खेलों के मेजबान के रूप में चुना गया है। संगमा ने एक्स पर लिखा, यह साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेघालय को आधिकारिक तौर पर 39वें राष्ट्रीय खेलों के लिए मेजबान घोषित किया गया है। राष्ट्रीय खेलों के अगले सत्र के लिए मेजबान के रूप में आईओए ध्वज को स्वीकार करने के लिए उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं।

उत्तराखंड में हो रहा 38वें सत्र का आयोजन

उत्तराखंड में 28 जनवरी से शुरू हुए राष्ट्रीय खेलों में 38 टीम के लगभग 10,000 खिलाड़ी और अधिकारी भाग ले रहे हैं। खेल उत्तराखंड के सात शहरों में आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें देहरादून मुख्य आयोजन स्थल है। अन्य आयोजन स्थल हरिद्वार, नैनीताल, हल्द्वानी, रुद्रपुर, शिवपुरी और नई टिहरी हैं।

कुह्नेमन का बॉलिंग एक्शन संदिग्ध पाया गया

स्पिनर को टेस्ट से गुजरना होगा, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 16 विकेट लिए

नई दिल्ली। श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुह्नेमन का बॉलिंग एक्शन संदिग्ध पाया गया है। उन्हें अब आईसीसी से मान्यता प्राप्त सेंटर में टेस्ट से गुजरना होगा। जब

श्रीलंका के खिलाफ खेली गई 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में कुह्नेमन टॉप विकेट टेकर थे। उन्होंने 2 मैचों में 16 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया यह सीरीज 2-0 से जीता था। कुह्नेमन ने 2017 में प्रोफेशनल क्रिकेट खेलना शुरू किया था। तब से पहली बार है जब उनके एक्शन पर सवाल उठाया गया है। जब तक उनके एक्शन का मूल्यांकन किया जाता है, तब तक वे घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रख सकते हैं। कुह्नेमन ने 2022 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

पहली बार कुह्नेमन के बॉलिंग एक्शन पर सवाल उठा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को मैच अधिकारियों ने कुह्नेमन के बॉलिंग एक्शन के बारे में सूचित किया। मैट ने 2017 में अपने डेब्यू के बाद से 124 प्रोफेशनल मैच खेले हैं, जिसमें पांच टेस्ट और चार वनडे इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। उन्होंने 2018 से 55 बिग बैश लीग मैच खेले हैं। प्रोफेशनल क्रिकेट के उन आठ सालों में यह पहली बार है जब उनके एक्शन पर सवाल उठाया गया है। गेंदबाज अपनी कोहनी को 15 डिग्री तक मोड़ सकता है क्रिकेट के मौजूदा नियम के मुताबिक, गेंदबाजों को 15 डिग्री रुल्स के तहत बॉलिंग करने की छूट है। आईसीसी के नियमों के अनुसार कोई भी बॉलर बॉलिंग करते समय कंधे के ऊपर हाथों के जाने के बाद 15 डिग्री तक अपनी कोहनी को मोड़ सकता है। अगर कोई गेंदबाज 15 डिग्री से ज्यादा अपनी कोहनी मोड़ता है, तो यह अवैध गेंदबाजी एक्शन माना जाता है।

स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी

मनिका बत्रा के पिता का निधन

दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत

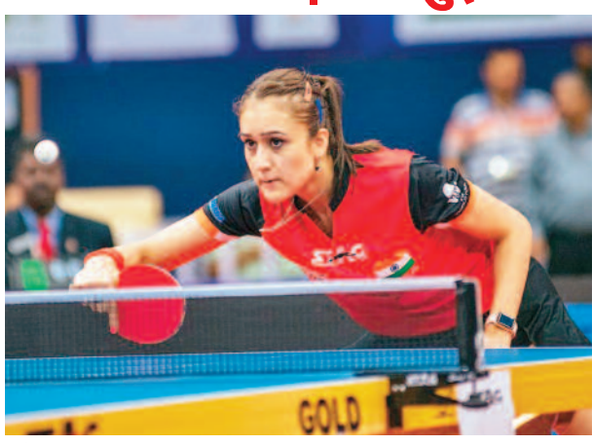

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पिता गिरीश बत्रा का दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार को निधन हो गया। मंगलवार को ही इंदरपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी प्रार्थना सभा गुरुवार को रखी गई है। मनिका भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने महिला युगल में रजत और मिश्रित युगल में कांस्य भी जीता था।

मनिका भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने महिला युगल में रजत और मिश्रित युगल में कांस्य भी जीता था।

भारत की शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने पिछले साल सऊदी स्मैश में शानदार प्रदर्शन किया था और करियर की सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 24 पर पहुंच गई थीं। वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं थीं। तब उन्होंने 15 स्थान की लंबी छलांग लगाई थी। हालांकि, वह मौजूदा समय में महिला एकल में 25वें रैंक पर हैं। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में मनिका का एकल में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वहीं, महिला टीम के साथ मिलकर उन्होने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। मनिका बत्रा ने पेरिस 2024 ओलंपिक में भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। मनिका बत्रा ने 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। यह जीत हासिल करने वाली मनिका बत्रा पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी थीं। इतना ही नहीं, तब उन्होंने महिला टीम के साथ मिलकर भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में ही वह महिला युगल में रजत पदक और मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीतने में कामयाब रही थीं। मनिका बत्रा ने अर्चना कामथ के साथ महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर चार पर पहुंचा था। यह किसी भी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी द्वारा सर्वश्रेष्ठ रैंक है।

वह अपनी खूबसूरती के लिए भी चर्चा में रहती हैं, लेकिन वह अपने प्रदर्शन के दम पर ही स्टार बनी हैं। 2020 में उन्हें मेजर ध्यान चंद खेल रत्न से सम्मानित किया गया था। 2022 एशिया कप में उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया था। 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में वह मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीतने में कामयाब रही थीं। 2024 एशियन चैंपियनशिप में वह महिला टीम के साथ कांस्य पदक जीत सकी थीं। मनिका 2016 में गुवाहाटी साउथ एशियन गेम्स में महिला टीम, महिला युगल और मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

महिलाओं के खेल इवेंट में ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर पाबंदी की तैयारी

विश्व एथलेटिक्स ने कसी कमर

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स ने एथलेटिक्स की महिला इवेंट में ट्रांसजेंडर और पुरुषत्व के लक्षण वाले एथलीटों की भागीदारी पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की तैयारी कर ली है। विश्व एथलेटिक्स ऐसे नियम लाने जा रहा है, जिससे महिला वर्ग में ट्रांसजेंडर एथलीट, लिंग विकास में अंतर (डीएसडी) वाली महिला एथलीट और पुरुष से महिला में परिवर्तित हुए एथलीटों के महिला वर्ग में खेलने पर पूरी तरह पाबंदी लग जाएगी। महिला वर्ग में पारदर्शिता लाने के लिए विश्व एथलेटिक्स 1990 में बंद कर दिए गए उस क्रोमोसोम टेस्ट को भी लाने की तैयारी कर रहा है, जिससे महिला में वाई क्रोमोसोम (पुरुष क्रोमोसोम) के होने का पता लग जाएगा। इस टेस्ट में महिला एथलीट के गाल के स्वैब का सैंपल लिया जाएगा या फिर उसके सूखे हुए खून का परीक्षण होगा। टेस्ट में महिला में वाई क्रोमोसोम यानि कि पुरुषत्व के लक्षण पाए जाने पर उसके महिला वर्ग में खेलने पर पाबंदी लग जाएगी। यानि की ओलंपिक पदक विजेता दक्षिण अफ्रीका की डीएसडी एथलीट कास्टर सेमेन्या जैसी एथलीट आगे से महिला वर्ग में नहीं खेल पाएंगी।

कई नामी एथलीट होंगे प्रभावित

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्रिटिश एथलीट सेबेस्टियन को ने नियमों को 2023 में कड़ा करते हुए पुरुष से महिला बने एथलीटों के महिला वर्ग में खेलने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी थी, लेकिन अब इन्हें पूरी तरह से प्रतिबंधित करने की तैयारी कर ली गई है। को ने तब कहा था कि महिला वर्ग में इस तरह के एथलीटों के खेलने पर पाबंदी लगने से दुनिया के लगभग 13 नामी एथलीट प्रभावित होंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि शायद अब यह संख्या थोड़ी कम हो गई हो।

सेमेन्या के मामले से समझें नियम

कास्टर सेमेन्या ऐसी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हैं, जो पैदा तो महिला के रूप में हुईं, लेकिन उनमें पुरुषत्व हार्मोन टेस्टोस्टोरान पुरुष के बराबर या उसके नजदीक पाया गया। उन्हें लिंग विकास में अंतर यानि डीएसडी की श्रेणी में रखते हुए उनकी पसंदीदा 800 मीटर दौड़ में भाग लेने से रोक दिया गया। सेमेन्या इसके खिलाफ खेल पंचाट भी गई थीं, लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली। हालांकि यूरोपियन मानवाधिकार ने फैसले में कहा, नियमों के चलते सेमेन्या को भेदभाव का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे खेल पंचाट का फैसला नहीं बदला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी महिला वर्ग में ट्रांसजेंडरों की भागीदारी के पक्ष में नहीं है। इसके बाद ही विश्व एथलेटिक्स ने ऐसे एथलीटों की महिला वर्ग में पूरी तरह पाबंदी लगा दी। सूत्र बताते हैं कि इस नियम के लागू होने से भारत भी प्रभावित हो सकता है।

नगर निगम का हाउस टैक्स कलेक्शन टारगेट

48 दिनों में 138 करोड़ वसूलने का लक्ष्य

16000 हाई राइज भी टैक्स के दायरे में

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम ने हाउस टैक्स वसूली के लिए बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। निगम को 31 मार्च 2025 तक 138 करोड़ रुपए की वसूली करनी है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए निगम ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव के अनुसार, पहली बार लगभग 16,000 हाई राइज को टैक्स के दायरे में लाया जा रहा है। साथ ही, ऐसे भवन जो अब तक हाउस टैक्स से बाहर थे, उन्हें भी इस दायरे में शामिल किया जा रहा है। करदाताओं की सुविधा के लिए निगम ने कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं। टैक्स जमा करने के लिए छुट्टी के दिनों में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं और कार्यालय भी खुले रखे जा रहे हैं। लोग ऑनलाइन माध्यम से भी टैक्स जमा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डोर-टू-डोर वसूली अभियान भी चलाया जा रहा है। निगम ने करदाताओं को चेतावनी दी है कि 31 मार्च 2025 के बाद बकाया टैक्स पर ब्याज लगाया जाएगा। वसूली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए नगर निगम में नियमित रूप से जोनवार बैठकें की जा रही हैं और आगामी कार्रवाई की योजना बनाई जा रही है।

गाजियाबाद में शराब पीने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

3 घंटे के विशेष अभियान में 660 लोग पकड़े, थाने में हाथ जोड़कर मांगी माफी

शिकायतों के मद्देनजर पुलिस ने यह विशेष अभियान चलाया। सभी एसीपी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों की मौजूदगी में यह अभियान चलाया गया।

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शहर के तीनों जोन - शहर जोन, देहात जोन और ट्रांस हिंडन जोन में चलाए गए विशेष अभियान में महज 3 घंटों में 660 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस कमिश्नरेट को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि जिले के कई इलाकों में लोग खुलेआम सड़कों पर शराब पीते हैं, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन शिकायतों के मद्देनजर पुलिस ने यह विशेष अभियान चलाया। सभी एसीपी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों की मौजूदगी में यह अभियान चलाया गया।

शहर जोन के डीसीपी राजेश कुमार के अनुसार, उनके क्षेत्र में सबसे ज्यादा 324 लोगों को पकड़ा गया। इनमें कोतवाली नगर से 77, विजयनगर से 61, सिहानी गेट से 32, नंदग्राम से 59, कवि नगर से 49 और मधुबन बापूधाम से 46 लोग शामिल थे। वहीं ट्रांस हिंडन जोन में डीसीपी निमिष पाटिल के नेतृत्व में 123 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सभी पकड़े गए लोगों को थाने लाया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया और पुलिस एक्ट की धारा 34 के तहत चालान किया गया। थाने में लाए जाने के बाद दबंगई दिखाने वाले लोग हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए। गौरतलब है कि गाजियाबाद पुलिस पिछले एक महीने से इस तरह का अभियान चला रही है, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। डीसीपी रुरल सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया इसी तरीके से इस 3 घंटे के अभियान में देहात जोन में पुलिस ने 213 लोगों को पकड़ा। जिसमें से थाना लोनी में 24 ट्रोनिका सिटी में 20 अंकुर विहार में 11 लोनी बॉर्डर में 32 मसूरी में 13 मुरादनगर में 21 मोदीनगर में 24 निवाड़ी में 05 भोजपुर में 15 वेव सिटी में 11 क्रॉसिंग रिपब्लिक में 37 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

नवनियुक्त डीएम दीपक मीणा का उत्थान समिति ने किया भव्य स्वागत

हिंडन महोत्सव को लेकर हुई चर्चा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद के नवनियुक्त जिलाधिकारी दीपक मीणा का बुधवार को उत्थान समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को अपनी सामाजिक एवं पर्यावरणीय पहलों से अवगत कराया।

बैठक के दौरान हिंडन महोत्सव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई, जो अगले माह आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव नमामि गंगे अभियान के तहत हिंडन नदी के संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है।

हिंडन महोत्सव 2025 : संस्कृति, कला और पर्यावरण संरक्षण का संगम

इस महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हिंडन नदी को बचाने का संदेश दिया जाएगा। इसके अंतर्गत–कॉटन बैग पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में स्कूली बच्चे भाग लेंगे और कपड़े के थैलों पर पर्यावरण-संरक्षण से जुड़े चित्र बनाएंगे, जिससे प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और स्वच्छता के महत्व को उजागर किया जाएगा।

भारतीय शास्त्रीय एवं लोक नृत्य प्रदर्शन : यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करेगा और नदी संरक्षण के संदेश को नृत्य के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाएगा।

स्ट्रीट प्ले (नुक्कड़ नाटक) : नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को नदियों के प्रदूषण, अवैध कचरा निस्तारण और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले गीत-संगीत और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पर्यावरण और जल संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

इस महोत्सव में स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को इस अभियान से जोड़ा जाएगा ताकि वे जल संरक्षण और नदियों की सफाई के प्रति जागरूक बनें और समाज में इस संदेश को फैलाएं।

उत्थान समिति ने जिलाधिकारी दीपक मीणा को इस महोत्सव की विस्तृत योजना से अवगत कराया। उन्होंने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए इस अभियान में प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

हिंडन नदी के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

उत्थान समिति के अध्यक्ष सतेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा, हिंडन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की एकमात्र नदी है और इसे बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उत्थान समिति इस महोत्सव के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है, ताकि समाज इसे एक आंदोलन की तरह अपनाए और नदियों की स्वच्छता के लिए आगे आए। उत्थान समिति के डायरेक्टर जनरल अरुण त्यागी ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, हिंडन महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है, जो हमारे समाज को जागरूक कर एक स्वच्छ और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। हमें नदियों की स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

नमो भारत कॉरिडोर के शताब्दीनगर पर बिजली आपूर्ति शुरू

82 किमी लंबे कॉरिडोर के संचालित होने पर 11 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

गाजियाबाद करंट क्राइम। दिल्ली - मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के शताब्दी नगर रिसीविंग सब-स्टेशन पर बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है। जोकि मेरठ सेक्शन को संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यह नमो भारत ट्रेनों और स्टेशनों के साथ-साथ मेरठ मेट्रो के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनसीआरटीसी दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर पांच आरएसएस- सराय काले खां, गाज़ियाबाद, मुरादनगर तथा मेरठ में शताब्दी नगर व मोदीपुरम में स्थापित कर रहा है। शताब्दी नगर शहर में पहला शुरू हो चुका आरएसएस है, जबकि दूसरा मोदीपुरम में निमार्णाधीन है।

25 किलोवॉट बिजली आपूर्ति

आरएसएस से ट्रेन संचालन के लिए ओवरहेड उपकरण (ओएचई) को 25 किलोवॉट बिजली आपूर्ति होती है। जबकि 33 किलोवॉट बिजली (33 केवी रिंग) मेन सिस्टम और सहायक सब-स्टेशन (एएसएस) के माध्यम से स्टेशनों को वितरित की जाती है। आरएसएस वितरण कंपनियों से बिजली प्राप्त करता है। इसे 33 केवी रिंग मेन सिस्टम के माध्यम से प्रत्येक स्टेशन पर एएसएस तक पहुंचाता है, जिससे स्टेशन उपकरणों का कुशल संचालन सुनिश्चित होता है।

बिजली आपूर्ति प्रणाली अधिक विश्वसनीयता और अतिरेक के लिए डिजाइन की गई है। किसी एक आरएसएस में किसी भी व्यवधान के मामले में, दूसरा आरएसएस निर्बाध रूप से लोड को संभाल सकता है। जिससे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इसके साथ ही सभी आरएसएस पर सोलर पैनल भी स्थापित किए जाते हैं। प्रमुख स्टेशनों को बिजली की आपूर्ति शताब्दी नगर आरएसएस मेरठ के कई प्रमुख स्टेशनों को बिजली की आपूर्ति करेगा, जिसमें शताब्दी नगर, परतापुर, रिठानी, ब्रह्मपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैंसाली, बेगमपुल और एमईएस कॉलोनी स्टेशन हैं। वर्तमान में, गाज़ियाबाद और मुरादनगर आरएसएस न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ के बीच 11 स्टेशनों सहित 55 किलोमीटर के परिचालित खंड को बिजली आपूर्ति कर रहे हैं।

शताब्दी नगर आरएसएस को उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) ग्रिड सब-स्टेशन से 220 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) केबल के माध्यम से बिजली मिलती है। जो ट्रेन संचालन के लिए 25 केवी बिजली और नमो भारत स्टेशनों के सहायक अन्य विद्युत भार के लिए 33 केवी बिजली वितरित करती है।

एनसीआरटीसी सभी विद्युत सब स्टेशनों, स्टेशनों और डिपो में वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज उपचार संयंत्र, ग्रीन स्पेस, एलईडी लाइटिंग, प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था और ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग को शामिल करके सतत क्षमता को भी प्राथमिकता दे रहा है। यह नमो भारत कॉरिडोर के लिए अत्याधुनिक, विश्वसनीय और पर्यावरण अनुकूल बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए एनसीआरटीसी की प्रतिबद्धता है, जिससे यात्रियों के लिए एक सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित होता है।

मां-बेटों ने मिलकर की पिता की हत्या, एक आरोपी गिरफ्तार

लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला

हापुड़ करंट क्राइम। हापुड़ के गांव नयागांव इनायतपुर में संपत्ति के बंटवारे को लेकर सौतेले बेटों और उनकी मां ने मिलकर 46 वर्षीय व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के अनुसार, घटना 10 फरवरी की है। मृतक संजय ने अपनी पहली पत्नी के निधन के बाद नन्ही से दूसरी शादी की थी। नन्ही के दो बेटे मोहित और सोनित लंबे समय से संजय की संपत्ति में हिस्सा मांग रहे थे। इसी विवाद को लेकर सोमवार को दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ, जिसके बाद नन्ही और उसके दोनों बेटों ने मिलकर लाठी-डंडों और ईंट से संजय की बेरहमी से हत्या कर दी।

बुधवार को गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने एक आरोपी मोहित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा और ईंट भी बरामद कर ली गई है। मोहित अमरोहा जिले के थाना रहरा के गांव जल्लोपुर का रहने वाला है। पुलिस अब फरार आरोपियों नन्ही और सोनित की तलाश में जुटी है।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंच की स्थापना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंच (ट्रस्ट) के मुख्य कार्यालय 50 नया गंज पर इसके संस्थापक संदीप बंसल द्वारा बुधवार को संजय बिंदल को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी क्रम में दीपक गर्ग को प्रदेश महामंत्री, दिनेश जैन को प्रदेश कोषाध्यक्ष, अनिल गर्ग को प्रदेश चेयरमैन, सोनू सैनी को प्रदेश उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देकर सम्मानित किया गया। विनोद पंजाबी, मूलचंद गर्ग, मुकेश प्रजापति, महेन्द्र कुमार आदि को भी संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस मौके पर विनोद कुमार, रिहान खान, शिवम शर्मा, अशोक गुप्ता, पिंटू राजपूत, सुंदर लाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्व. चौधरी अजीत सिंह की जयंती पर किया गया हवन-पूजा का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल के कार्यालय मेरठ रोड तिराहे पर बुधवार को जिला व महानगर संगठन के द्वारा स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह को समर्पित हवन का आयोजन किया गया जिसमें पार्टी के सभी नेता व कार्यकर्ता जिला व महानगर के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हवन के दौरान उपस्थित लोगों में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तेजपाल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब अली, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माइनॉरिटी सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू, प्रदेश के महामंत्री रविन्द्र चौहान प्रदेश सचिव,ओ डी त्यागी, राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष अमित त्यागी सरना,बॉबी चौधरी, प्रदीप त्यागी, मोमिन खान, जगराज सिंह बालियान,सुनील चौधरी, दिनेश शर्मा,राजेंद्र चंदेला, किशन लाल राघव आदि लोग मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक स्कूटी में धमाका डिलीवरी बॉय की स्कूटी में अचानक लगी आग, बैटरी फटी; बाल-बाल बची जान

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और स्कूटी धू-धू कर जलने लगी। कुछ ही क्षणों में स्कूटी की बैटरी में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए।

गौतम बुद्ध नगर, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी सोसाइटी में सोमवार रात एक भयानक हादसा हुआ, जब एक डिलीवरी बॉय की इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। बिसरख थाना क्षेत्र की सेवंथ एवेन्यू में हुई इस घटना में स्कूटी की बैटरी में विस्फोट हो गया, हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

घटना उस समय हुई जब डिलीवरी बॉय सोसाइटी में डिलीवरी करने के लिए पार्क के पास पहुंचा। अचानक स्कूटी में आग लगने के बाद डिलीवरी बॉय ने तुरंत स्कूटी छोड़कर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और स्कूटी धू-धू कर जलने लगी। कुछ ही क्षणों में स्कूटी की बैटरी में जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए।

सोसाइटी के सुरक्षा कर्मियों ने फायर सिलेंडर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। बैटरी में विस्फोट के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई। काफी प्रयासों के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया, लेकिन तब तक स्कूटी पूरी तरह से जलकर राख हो चुकी थी।

अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा मानकों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

10 साल से टूटी सड़क अब बनेगी, यमुना प्राधिकरण ने जारी किया निर्माण के लिए 1 करोड़ का टेंडर

नोएडा करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में एक दशक से टूटी पड़ी बाईपास सड़क के निर्माण के लिए यमुना प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। खेड़ा देवत मंदिर के पास की लगभग 200 मीटर लंबी क्षतिग्रस्त सड़क के पुनर्निर्माण के लिए प्राधिकरण ने 1 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। यह सड़क 2009 में यमुना एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान बनाई गई थी, जो दनकौर और आसपास के क्षेत्रों को एक्सप्रेसवे से जोड़ती है। हालांकि, उचित जल निकासी व्यवस्था के अभाव में यह सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो गई। वर्षों से इस मार्ग पर गहरे गड्ढों में पानी भरा रहता था, जिससे स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों की लगातार मांग के बाद अब प्राधिकरण ने कार्रवाई की है। गुरुवार को प्राधिकरण के अधिकारियों ने नगर अध्यक्ष राजवती देवी के साथ स्थल का निरीक्षण किया। नगर अध्यक्ष के अनुसार, निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होगा और इसे एक महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस निर्माण से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सिटी में पहली बार आईपीएस को मिला थाना

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में लगातार बदलाव व तबादलों की लिस्ट आती रहती हैं। वहीं बीते दिनों चार थानों के प्रभारी बदलने की लिस्ट भी पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम गाजियाबाद में आई थी। इस लिस्ट ने कई ऐसे फेस बदले जो लंबे समय से जमे हुए थे। तो कई के दिल को भी तोड़ने का काम किया है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले लोकल सूत्र कर रहे हैं कि आने वाले तीन महीनों या उससे पहले भी एक बार बदलाव वाला मामला फिर से देखने को मिलेगा। वहीं पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में आई उस लिस्ट ने तो पहली बार सिटी जोन में किसी आईपीएस को थाने का प्रभार दिलवाया है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद वाले सूत्रों से जानकारी मिली है कि खेत के इलाके वाले थाने पर लगभग तीन महीने के आसपास थाना प्रभारी वाला चार्ज एक आईपीएस अधिकारी के पास रहेगा। वहीं पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि लंबे समय बाद देहात के थाने को छोड़ सिटी वाले थाने पर आईपीएस की तैनाती की गई है। बताया जा रहा है जिन आईपीएस को थाने वाला चार्ज मिला है, उनकी ट्रेनिंग भी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद से ही शुरू हुई थी और उन्होंने इस बार की लाइन में परेड वाली कमान भी सेकंड कमांडर के रूप में संभाल ली थी। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में फिर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या तीन महीने बाद फिर सिटी में किसको मौका मिलेगा। हालांकि अब सिटी वाले जोन में किसी भी थाने पर अब थानाध्यक्ष के रुपय में टू-स्टार नहीं है। देखना होगा तीन महीने बाद सिटी में किस टू-स्टार को पोस्ट किया जाता है या फिर यहां कोई थ्री-स्टार अपनी दावेदारी पेश करेगा। पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र जानकारी दे रहे हैं कि तीन महीने बाद एक बार फिर सिटी जोन के समीकरण बदलेंगे। पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि इसमें दो थाना प्रभारी पर बदलाव वाला आदेश भी आ सकता है, अगर स्थिति बिगड़ी तो उससे पहले भी कोई नई तबादला एक्सप्रेस सिटी वाले जोन में भी चल सकती है। देखना होगा तीन महीने का सफर आईपीएस अधिकारी बतौर थाना प्रभारी कैसे निभाते हैं। वैसे सुनने में आया है कि वह अपने एक अधीनस्थ अधिकारी से वर्किंग स्टाइल और अन्य विषयों पर खुलकर बातचीत कर चुके हैं। देखना होगा इसका उनको कितना फायदा, इस पहली पोस्टिंग में फील्ड पर मिलने वाला है।

अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई, 95 बीघा जमीन पर बन रही 5 अवैध कॉलोनियां ध्वस्त, बिल्डरों का विरोध जताया

गाजियाबाद करंट क्राइम। विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले में अवैध रूप से विकसित की जा रही पांच कॉलोनियों को जमींदोज कर दिया। प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-3 ने मटियाला क्षेत्र में चलाए गए इस विशेष अभियान में करीब 95 बीघा जमीन पर बन रही अवैध कॉलोनियों को नष्ट किया।

सबसे बड़ी कार्रवाई 25 बीघा में बन रही फ्रेंड्स कॉलोनी पर की गई, जिसे अशोक जैन और सचिन चौधरी विकसित कर रहे थे। इसी क्षेत्र में 22 बीघा में बन रही गोविंद धाम कॉलोनी, जिसके विकासकर्ता नीरज मलिक और योगेश चौधरी थे, को भी ध्वस्त किया गया।

इसके अलावा, 16 बीघा में सुभाष चौधरी, नरेंद्र चौधरी, आदित्य कुमार और नितिन द्वारा विकसित की जा रही कॉलोनी, 20 बीघा में मुकेश वर्मा की कॉलोनी, और 12 बीघा में बन रही एक अन्य अवैध कॉलोनी को भी नष्ट कर दिया गया। प्राधिकरण ने इन सभी कॉलोनियों में बनाई गई बाउंड्री वॉल, अवैध निर्माण, सड़कें और बिजली के खंभों को भी ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान बिल्डरों ने विरोध का प्रयास किया, लेकिन मौके पर तैनात पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित रखा। यह कार्रवाई अवैध कॉलोनियों के विकास पर अंकुश लगाने के लिए जीडीए की निरंतर मुहिम का हिस्सा है।

साइबर ठग गैंग पकड़ा, वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़कर 55 लाख ऐंठे

खाते में ट्रांसफर हुए थे 2 लाख

नोएडा करंट क्राइम। वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़कर इंवेस्टमेंट कर लाभ कमाने का झांसा देने वाले एक साइबर आरोपी को साइबर क्राइम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान सतीश पुत्र ओमकार निवासी बदायू हुई है। पुलिस ने आरोपी को सेक्टर-62 से गिरफ्तार किया। इस पर एनसीआरपी पोर्टल पर 6 शिकायत और लखनऊ क्राइम लखनऊ के एक मामले में मुकदमा दर्ज है। डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि 20 अगस्त 2024 को पीड़िता ने साइबर पुलिस से शिकायत की थी। उसके वाट्सऐप पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। जिस पर इंवेस्टमेंट के नाम मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया गया।

इसके बाद पीड़िता को वॉट्सऐप के एक ग्रुप से जोड़ दिया गया। पहले कुछ दिनों तक उसे लाभ दिया गया। उसने पैसा निकाला भी। इसके बाद उसने थोड़ा थोड़ कर करीब 55 लाख 194 रुपए इंवेस्ट कर दिए। मुनाफा दिखने पर उसने पैसा निकालना चाहा। उससे और पैसों की डिमांड की। अतिरिक्त पैसा नहीं देने पर ग्रुप किया बाहर पैसा नहीं देने पर उसे ग्रुप से बाहर कर दिया गया और जिस नंबर से फोन आया वो भी बंद गया। पीड़िता ने ट्रांजैक्शन डिटेल के साथ फोन नंबर आदि उपलब्ध कराए। जिसके बाद साइबर क्राइम पुलिस ने तफ्तीश शुरू की। इस मामले में पुलिस ने बुधवार को एक आरोपी सतीश को गिरफ्तार किया गया। इसके खाते में ठगी की रकम का 2 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए थे। सतीश से पूछताछ की जा रही है कि ऐसे किसके कहने पर किया गया।

खाने के विवाद में चली गोलियां

रेस्टोरेंट में झगड़े के बाद युवकों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, एक आरोपी गिरफ्तार

आरोपी मोहननगर से संजयनगर तक पीड़ितों का पीछा करते रहे।

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद में एक रेस्टोरेंट में हुए विवाद ने खतरनाक मोड़ ले लिया, जब एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर बीच सड़क पर गोलियां बरसा दीं। थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र में घटी इस वारदात का पूरा सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित सौभाग्य चौधरी ने बताया कि वह अपने दोस्त शाकिर खान के साथ अर्थला मोहन नगर स्थित न्यू मॉल भोजनालय में खाना खा रहे थे। वहां कुछ युवकों से उनका विवाद हो गया। खाना खाने के बाद जब वे लौट रहे थे, तभी स्विफ्ट कार में सवार सूर्या, राजा, जतिन और अंकित शर्मा ने सेक्टर 23 में बुद्ध मंदिर के सामने उनकी कार को रोक लिया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि आरोपी युवक हथियार लेकर कार का दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहे हैं। जब पीड़ित ने कार भगाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान शाकिर के हाथ में छर्रे लग गए। आरोपी मोहननगर से संजयनगर तक पीड़ितों का पीछा करते रहे। एसीपी कवि नगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि 6 तारीख को हुई इस घटना में पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने एक आरोपी अंकित को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पीएम मोदी और मैक्रों की मुलाकात

द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती और वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर हुई बात

पेरिस। पीएम नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पेरिस में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने अपने द्विपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के साझा दृष्टिकोण और वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर बात की। पीएम नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पेरिस में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने अपने द्विपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के साझा दृष्टिकोण और वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर बात की।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने जनवरी 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत की राजकीय यात्रा की थी। इससे पहले जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर सहमति बनी। वार्ता के दौरान 2047 रोडमैप पर चर्चा हुई। यह रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर बैस्टिल दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में होगा। उन्होंने अपने द्विपक्षीय सहयोग में हासिल की गई प्रगति की सराहना की और इसे तेज करने की प्रतिबद्धता जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर दिया जोर

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने एक न्यायसंगत और शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने, वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और तकनीकी, आर्थिक क्षेत्रों सहित उभरते विकास के लिए दुनिया को तैयार करने के लिए प्रभावी बहुपक्षवाद के आह्वान को दोहराया। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। यूएनएससी मामलों सहित बहुपक्षीय मंचों में समन्वय पर सहमति व्यक्त की। फ्रांस ने यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन दोहराया। दोनों नेताओं ने सामूहिक अत्याचारों के मामले में वीटो के उपयोग के विनियमन पर बातचीत को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय विकास पर व्यापक चर्चा की। साथ ही बहुपक्षीय पहलों और संस्थानों के माध्यम से अपने वैश्विक और क्षेत्रीय जुड़ाव को तेज करने पर सहमति व्यक्त जताई।

भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष की शुरूआत की घोषणा

दोनों नेताओं ने वैज्ञानिक ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के महत्व को स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने भारत और फ्रांस के बीच लंबे और स्थायी जुड़ाव को याद करते हुए राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च 2026 से नई दिल्ली में होने वाले भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष का लोगो लॉन्च करके भव्य उद्घाटन की घोषणा की।

यूक्रेन-रूस युद्ध पर हुई बात

दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी बात की। इसमें पश्चिम एशिया और यूक्रेन में युद्ध भी शामिल है। वे नियमित आधार पर समन्वय और निकटता से जुड़े रहने के अपने प्रयासों को जारी रखने पर सहमत हुए। पीएम मोदी और मैक्रों ने सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की निंदा की। उन्होंने आतंकवाद की फंडिंग करने वाले नेटवर्क और सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करने का आह्वान किया। वे इस बात पर भी सहमत हुए कि किसी भी देश को उन लोगों को सुरक्षित पनाह नहीं देनी चाहिए जो आतंकवादी कृत्यों को फंडिंग, योजना, समर्थन या अंजाम देते हैं। नेताओं ने सभी आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1267 प्रतिबंध समिति द्वारा सूचीबद्ध समूहों से जुड़े व्यक्तियों को नामित करना भी शामिल है। दोनों पक्षों ने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की सिफारिशों के अनुरूप धन शोधन विरोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। दोनों देशों ने नो मनी फॉर टेरर (ठटत्र्ळ) और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर एक साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर भी काम करने पर जताई सहमति

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर भारत-फ्रांस का रोडमैप लॉन्च किया। यह सुरक्षित, संरक्षित और भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर आधारित है। उन्होंने फ्रेंच स्टार्टअप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में भारतीय स्टार्टअप को शामिल करने का स्वागत किया। उन्होंने फ्रांस में भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग करने की विस्तारित संभावनाओं का भी स्वागत किया। दोनों नेताओं ने साइबरस्पेस के रणनीतिक महत्व और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुप्रयोग और साइबरस्पेस में जिम्मेदार राज्य व्यवहार के लिए ढांचे के कार्यान्वयन के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में अपने समन्वय को मजबूत करने की अपनी इच्छा को दोहराया। साथ ही दुर्भावनापूर्ण साइबर उपकरणों और प्रथाओं के प्रसार से उत्पन्न होने वाले मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने 2025 में होने वाले अगले भारत-फ्रांस रणनीतिक साइबर सुरक्षा और साइबर कूटनीति वार्ता की प्रतीक्षा की।

बांग्लादेश में दिसंबर तक आम चुनाव कराने की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश में दिसंबर तक आम चुनाव कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि दिसंबर तक आम चुनाव कराने को लेकर तैयारियां चल रही हैं। पिछले सप्ताह देशभर में हुई तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चुनाव कराने के प्रस्ताव पर सहमति दी है।

दिसंबर में राष्ट्रीय चुनावों को कराने की तैयारी निर्वाचन आयोग के इस बयान से एक दिन पहले यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को दिसंबर तक चुनाव कराने का आश्वासन दिया। चुनाव आयुक्त अब्दुल फजल मोहम्मद सनाउल्ला ने पत्रकारों से कहा, 'हम दिसंबर में राष्ट्रीय चुनावों को कराने की तैयारी कर रहे हैं।' उन्होंने यहां संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और यूरोपीय यूनियन के प्रतिनिधियों के अलावा 17 पश्चिमी और अन्य देशों के राजनयिकों के साथ बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक में मौजूद रहे यूएन के स्थानीय प्रतिनिधि स्टीफन लिलर ने कहा, 'हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग का समर्थन कर रहे हैं।' हालांकि उन्होंने देश के मौजूदा हालात में इस तरह के चुनाव कराने की चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर भी कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया।

तसलीमा की किताबों को बनाया निशाना ढाका में एक पुस्तक प्रदर्शनी में लेखिका तसलीमा नसरीन की किताबों को निशाना बनाया गया। चश्मदीदों ने बताया कि सोमवार को मदरसा छात्रों ने एक स्टाल में तोड़फोड़ की, जहां भारत में निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहीं तसलीमा की पुस्तकें प्रदर्शित की गई थीं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

असुरक्षित और दुखी शख्स', ओपनएआई विवाद के बीच सैम ऑल्टमैन का एलन मस्क पर तंज

पेरिस। मस्क ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप की संपत्ति को 97.4 बिलियन अमरीकी डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी। इस पर सैम ने कहा कि कंपनी बिक्री के लिए नहीं है। यह हमारे साथ खिलवाड़ करने की उनकी एक और चाल है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने मंगलवार को एलन मस्क पर कटाक्ष किया। उन्होंने टेस्ला के सीईओ पर असुरक्षा की भावना के साथ काम करने का आरोप लगाया। पेरिस एआई शिखर सम्मेलन के दौरान एक साक्षात्कार के दौरान ऑल्टमैन ने कहा, 'संभवत: उनका पूरा जीवन असुरक्षा की स्थिति में बीता है। मुझे उस व्यक्ति के लिए दुख है। मुझे नहीं लगता कि वह एक खुशनुमा शख्स हैं। मुझे वह दुखी ही लगते हैं। इस दौरान ऑल्टमैन ने फिर दोहराया कि ओपनएआई बिक्री के लिए नहीं है। दरअसल, मस्क ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप की संपत्ति को 97.4 बिलियन अमरीकी डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी।

बांग्लादेश की अपदस्थ पीए हसीना के कार्यकाल पर यूएन की तल्ख टिप्पणी

कहा- हिंसा-हत्याओं के पीछे अक्षम सरकार

ढाका। बांग्लादेश में बीते साल बड़े पैमाने पर हुई हिंसा, सैकड़ों लोगों की मौत और विरोध-प्रदर्शन पर संयुक्त राष्ट्र ने तल्ख टिप्पणी की है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार की अक्षमता के कारण ही देश में बड़े पैमाने पर हिंसा, विरोध प्रदर्शन और 'मानवता के खिलाफ अपराध' हुए। बांग्लादेश बीते सात महीने से अधिक समय से हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल से जूझ रहा है। ताजा घटनाक्रम में संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि विरोध-प्रदर्शनों के दौरान 'मानवता के खिलाफ अपराध' और बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के पीछे शेख हसीना की सरकार है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल बांग्लादेश में व्यापक अशांति के दौरान लगभग 1400 प्रदर्शनकारी मारे गए। हजारों हताहत हुए। इसके बाद हालात इतने बिगड़े कि अगस्त, 2024 में शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। फिलहाल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार शेख हसीना को भारत से प्रत्यर्पित कराने के प्रयास में लगी है। भारत ने अभी अपना फैसला नहीं लिया है।

जांच में 1400 प्रदर्शनकारियों की मौत का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि बीते साल प्रदर्शनकारियों पर व्यवस्थित हमले हुए। सैकड़ों न्यायेतर हत्याएं हुईं। इन सबके पीछे शेख हसीना की सरकार थी। एएफपी की रिपोर्ट के हवाले से सामने आई यूएन की इस जांच रिपोर्ट में अनुमानित तौर पर 1400 प्रदर्शनकारियों की मौत की बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा और उपद्रव के दौरान हजारों लोग हताहत हुए।

हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागने पर मजबूर होना पड़ा

बता दें कि पिछले साल बांग्लादेश की सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को खत्म करने की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था। इसमें बड़ी संख्या में छात्र संगठन शामिल थे। बाद में विरोध-प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा और उपद्रव हुआ। शेख हसीना को हटाने की मांग के बीच प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला कर दिया था, जिसके बाद हसीना को भागने पर मजबूर होना पड़ा।

बांग्लादेश में दोबारा भी भड़की हिंसा

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के बीच यह जानना भी अहम है कि बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पिछले हफ्ते भी हिंसा भड़की थी। ढाका में शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब-उर-रहमान के आवास पर जमकर आगजनी और तोड़फोड़ हुई थी।

अमेरिकी शिक्षक मार्क फोगेल रूस की जेल में तीन साल बिताने के बाद यूएस लौटे

वॉशिंगटन। अमेरिकी झंडा अपने सीने से लपेटे हुए मार्क फोगेल एक विशेष विमान से वॉशिंगटन पहुंचे। इसके बाद उन्हें व्हाइट हाउस ले जाया गया, जहां खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने उनका स्वागत किया। अमेरिकी शिक्षक मार्क फोगेल रूस की जेल में तीन साल बिताने के बाद अमेरिका लौट आए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनका स्वागत किया। वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच हुए समझौते के तहत मार्क फोगेल की रिहाई हुई। मार्क फोगेल को गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने किया स्वागत

गांजा रखने के आरोप में हुई थी 14 साल जेल की सजा

अमेरिकी झंडा अपने सीने से लपेटे हुए मार्क फोगेल एक विशेष विमान से वॉशिंगटन पहुंचे। इसके बाद उन्हें व्हाइट हाउस ले जाया गया, जहां खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि 'मार्क फोगेल की रिहाई में छोटी सी भूमिका निभाकर वे सम्मानित महसूस कर रहे हैं।' फोगेल को अगस्त 2021 में मारिजुआना (गांजा) रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रूसी अदालत ने साल 2022 में फोगेल को 14 साल जेल की सजा सुनाई थी।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने बताया कि ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने को लेकर बातचीत कर रहा है। इसी बातचीत का परिणाम है कि फोगेल की रिहाई संभव हुई। ट्रंप प्रशासन में मध्य पूर्व मामलों के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ मार्क फोगेल को लेकर विशेष विमान से भारतीय समय अनुसार, बुधवार को अमेरिका पहुंचे। अमेरिका पहुंचने पर फोगेल ने कहा कि वह अपने देश से बेहद प्यार करते हैं और वापस आकर उन्हें बेहद अच्छा महसूस हो रहा है।

रूस के स्कूल में पढ़ाते थे फोगेल

फोगेल रूस की राजधानी मॉस्को में एक एंग्लो अमेरिकन स्कूल में इतिहास के शिक्षक रहे। अगस्त 2021 में मॉस्को एयरपोर्ट पर फोगेल को गिरफ्तार किया गया था। फोगेल के बैग से 17 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। फोगेल पर गांजे की तस्करी के आरोप लगे थे। अमेरिकी सरकार ने रूस की सरकार से फोगेल को बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते मानवीय आधार पर रिहा करने की अपील की थी, लेकिन तब रूस की सरकार ने इस अपील को ठुकरा दिया था।

जर्मनी में हाई-स्पीड ट्रेन और ट्रक की टक्कर, एक व्यक्ति की मौत, 25 घायल

बर्लिन। जर्मनी के हैम्बर्ग शहर के बाहरी इलाके में हाई-स्पीड ट्रेन और ट्रक के बीच हुई टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में 25 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें से छह गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार को हुआ। ट्रक में रेलवे ट्रैक्स भरे हुए थे। हादसे के वक्त क्छए ट्रेन में 291 लोग सवार थे।

पुलिस ने बताया कि घायल यात्रियों को ट्रेन से निकालकर पास के स्टेशन पर बस के जरिए ले जाया गया। हालांकि, एक 55 वर्षीय यात्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जर्मन समाचार एजेंसी ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि ट्रेन ने क्रॉसिंग पर ट्रक को टक्कर मार दी और ट्रेन के आगे की डिब्बों की खिड़कियां टूट गईं। ट्रक का सामान दुर्घटनास्थल के आसपास बिखरा पड़ा था। पुलिस के मुताबिक, यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि दुर्घटना किस वजह से हुई। ट्रक चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बुधवार सुबह तक रेलगाड़ी को ट्रैक से हटा लिया गया था। इसके बाद रेलवे लाइन को फिर से खोल दिया गया था।

अमेरिका में ट्रंप के फरमान का असर, दिग्गज कंपनियों ने कर्मचारियों की लिंग पहचान को लेकर जारी किया अहम आदेश

अमेरिका। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे और अंतिम कार्यकाल के पहले तीन हफ्ते में ही कई कड़े फैसले लिए हैं। अब उनके आदेशों का असर भी दिखने लगा है। ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़े लोगों को लेकर ट्रंप के फैसले के बाद बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को नाम के साथ लिंग जाहिर न करने को कहा है।

जानिए क्या है पूरा मामला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ट्रांसजेंडर खिलाड़ी महिला वर्ग के खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। यह आदेश उन ट्रांसजेडर खिलाड़ियों पर लागू होगा, जो जन्म के समय पुरुष थे और बाद में लिंग परिवर्तन कराकर महिला बन गए। ट्रंप ने कहा था कि उनके कार्यकाल में अमेरिका में तीसरे लिंग की कोई जगह नहीं रहेगी, अब केवल महिला और पुरुष ही दो लिंग होंगे। उनके इस आदेश का असर कई बड़ी कंपनियों पर भी पड़ने लगा है। ताजा घटनाक्रम में डेलोइट की अमेरिकी इकाई ने अपनी नीतियों में बदलाव का एलान किया है। कंपनी ने कहा अब कर्मचारी अपने ई-मेल में इस्तेमाल होने वाले नाम (हस्ताक्षर) में लिंग का खुलासा करने वाले शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। इस कंपनी की नीति के कारण सरकारी अनुबंधों पर काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ और कंपनी के विविधता और समावेशन कार्यक्रम भी प्रभावित हुए हैं। जानकारों का कहना है कि ट्रंप के कार्यकारी आदेश का निजी कंपनियों पर सीधा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन लिंग लेकर उनकी नीतियों के भावी असर को देखते हुए कंपनियां एहतियात बरत रही हैं। यही कारण है कि डेलोइट यूएस ने सार्वजनिक रूप से ईमेल हस्ताक्षरों में ऐसे नाम का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है, जिससे कर्मचारी के लिंग का खुलासा होता हो।

डेलोइट के अलावा इस कंपनी ने भी ट्रंप के कार्यकाल में किया बदलाव

फाइनांशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक डेलोइट ने यह भी कहा है कि अमेरिका में वह अपने विविधता लक्ष्य, समानता और समावेशन रिपोर्ट और ऊएकप्रोग्रामिंग जैसे कार्यक्रम समाप्त करेगी। इससे पहले हाल ही में एक्सेंचर ने भी कहा था कि अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव को देखते हुए कंपनी अपने वैश्विक विविधता लक्ष्यों और जनसांख्यिकी-विशिष्ट कैरियर कार्यक्रम को खत्म कर रही है।

तस्लीमा नसरीन की किताब बेचने पर बुक स्टॉल पर हमला

मोहम्मद यूनुस ने दिए जांच के आदेश

ढाका। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को प्रकाशन के प्रमुख को पुलिस कंट्रोल रूम ले जाना पड़ा, लेकिन गुस्साए लोग पुलिस कंट्रोल रूम भी पहुंच गए। किसी तरह पुलिस ने भीड़ को समझाया और मामले को शांत कराया। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अक्सर गलत कारणों से चर्चा में बना हुआ है। बांग्लादेश में कट्टरपंथ इस कदर अपने पैर जमा रहा है कि अब वहां ये स्थिति हो गई है कि एक किताब विक्रेता ने अपने स्टॉल पर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन की किताब बिक्री के लिए रखी तो लोगों की भीड़ ने उस बुक स्टॉल पर ही हमला कर दिया। इस घटना पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी नाराजगी जाहिर की है और घठना की जांच के आदेश दे दिए। क्या है मामला बांग्लादेश में राजधानी ढाका में एक किताब मेला चल रहा है। इसी किताब मेले में सब्यसाची प्रोकाशनी प्रकाशन की स्टॉल लगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस स्टॉल पर बांग्लादेश की विवादित लेखिका तस्लीमा नसरीन की एक किताब भी बिक्री के लिए प्रदर्शित की गई थी। इससे नाराजगी जताते हुए लोगों की एक भीड़ सब्यसाची प्रोकाशनी के स्टॉल पर पहुंच गई और स्टॉल को घेर लिया। लोगों ने तौहिदी जनता समूह के बैनर तले यह विरोध प्रदर्शन किया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को प्रकाशन के प्रमुख को पुलिस कंट्रोल रूम ले जाना पड़ा, लेकिन गुस्साए लोग पुलिस कंट्रोल रूम भी पहुंच गए। किसी तरह पुलिस ने भीड़ को समझाया और मामले को शांत कराया। फिलहाल किताब मेले से सब्यसाची प्रोकाशनी के स्टॉल को बंद कर दिया गया है। तस्लीमा नसरीन ने भी घटना पर नाराजगी जताई। वहीं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भी घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए इसकी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह से व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी लोग इस घटना में दोषी होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। बांग्ला एकेडमी ने एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो प्रकाशन पर हमले की जांच करेगी और समिति को तीन दिनों के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट देने को कहा गया है।

जयशंकर ने भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया

कहा- डिजिटल युग में विश्वास और पारदर्शिता की जरूरत

पेरिस। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को पेरिस में एआई एक्शन शिखर सम्मेलन के दौरान 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में विश्वास और पारदर्शिता की जरूरत है। एआई एक्शन शिखर सम्मेलन का आयोजन पीएम नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सह-अध्यक्षता में हुआ। इसके बारे में बात करते हुए जयशंकर ने कहा, 'डिजिटल युग में विश्वास और पारदर्शिता की आवश्यकता है, शिखर सम्मेलन अपने आप में एक अनुस्मारक है। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस एआई, सॉफ्टवेयर विकास और साइबर सुरक्षा में बहुत कुछ कर सकते हैं। 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार का वर्ष घोषित किया गया है।'

भारत-फ्रांस की स्वतंत्र मानसिकता की परंपरा : जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और फ्रांस की स्वतंत्र मानसिकता की परंपरा है, इसे अलग-अलग समय पर विभिन्न तरीकों से व्यक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ एक जैसा सोचते हैं। हम एक-दूसरे की स्थिति को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करते हैं। भारत-फ्रांस के बीच संबंध विश्वास चालित और मूल्य-आधारित विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध विश्वास-चालित और मूल्य-आधारित हैं।

चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के आवास पर चौधरी अजीत सिंह की 86वीं जयंती मनाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गांव चितौड़ा में चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के आवास पर बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री, किसान कमेरों की बुलंद आवाज, श्रद्धेय चौधरी अजीत सिंह की 86वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने आहुति डालकर किसान मसीहा को नमन किया। इसके पश्चात चौधरी अजीत सिंह जी के जीवन और उपलब्धियों पर चर्चा की गई, जहां सभी ने उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों को स्मरण किया। इस अवसर पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा, श्रद्धेय चौधरी अजीत सिंह ने हमेशा किसानों, मजदूरों और कमेरों की आवाज को बुलंद किया। एडवोकेट अजयवीर चौधरी ने कहा कि जब चौधरी अजीत सिंह उद्योग मंत्री थे, तब उन्होंने देशभर में 44 नई चीनी मिलें स्थापित कराईं और मिल की दूरी 25 किलोमीटर से घटाकर 15 किलोमीटर करवाई, जिससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ हुआ और उनकी आय में वृद्धि हुई। क्षेत्री महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन ने कहा वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि किसानों के सच्चे मसीहा, कुशल प्रशासक और समाजसेवी थे। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट अजय वीर चौधरी, क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप मुखिया, दिलावर सिंह, डायरेक्टर इंद्रपाल सिंह, ऋषिपाल सिंह, आनंद सिंह, हरेंद्र फौजी, विजयपाल सिंह, पवन कुमार, राजीव कुमार, दया वीर सिंह, राजवीर सिंह, सुशील सिंह, सोनपाल सिंह, मास्टर योगेंद्र सिंह, समरजीत सिंह, महक सिंह, जोगिंदर सिंह, रामकुमार सिंह, एडवोकेट गौरव प्रताप सिंह, एडवोकेट सौरभ प्रताप सिंह, गोपी ठाकुर, विशाल सिंह, बलवान सिंह, विक्रम सिंह, कुशल पाल सिंह, गौतम सिंह, राजवीर सिंह, अजय कुमार, उदेश कुमार, जितेंद्र सिंह, बलजीत सिंह, ब्रह्मदत्त, जगत सिंह, सतबीर सिंह, जगपाल सिंह, जगत सिंह, संजीव आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे।

1984 सिख विरोधी दंगे मामले में सज्जन कुमार दोषी करार

देरी से ही सही लेकिन राहत देने वाला निर्णय : इंद्रजीत सिंह टीटू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। परमपिता परमात्मा के दरबार में देर हो सकती है अंधेर नहीं। कहावत सिद्ध हुई ऊपर वाले की लाठी में आवाज नहीं होती। मैं पूरे सिख समुदाय की तरफ से विशेषतौर से गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रेलवे रोड बजरिया की पूर्ण कमेटी की तरफ से न्यायालय का आभार प्रकट करता हूं। 1984 में सिख समाज के साथ जो दंगा हुआ था जिसमें हजारों सिख परिवार बर्बाद हो गए थे माल और जान दोनों का नुकसान हुआ था। कई परिवार आज तक उसे घटना से उभर नहीं पाए हैं। उस दंगे के एक दोषी सज्जन कुमार को दिल्ली एक कोर्ट ने दोषी ठहराया है। देरी से ही सही लेकिन राहत देने वाला निर्णय।

सज्जन कुमार पर भीड़ का नेतृत्व करने का आरोप : यह मामला 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या से जुड़ा है। यहां दो सिखों, सरदार जसवंत सिंह और सरदार तरुण दीप सिंह, की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सज्जन कुमार पर भीड़ का नेतृत्व करने का आरोप लगा।

भीड़ ने घर में घुसकर दो सिखों को जिंदा जलाया : आरोप है कि सज्जन कुमार के उकसावे के बाद भीड़ ने बाप-बेटे को उनके घर में जिंदा जला दिया गया। भीड़ ने घर में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी भी की थी। मारपीट कर घर के अन्य लोगों को भी घायल कर दिया।

सीएम योगी ने बागपत में 351 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

बागपत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बागपत जिले में 351 करोड़ की 281 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने चौधरी अजीत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान रालोद प्रमुख व केन्द्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी और संसद राजकुमार सांगवान के साथ छपरौली के लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जय जय कार करते रहे। बागपत के किसानों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गन्ना किसानों के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। किसानों के खातों में पाई-पाई चली जाएगी। जो चीनी मिल लेट गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं, उनको समयबद्ध भुगतान के लिए सख्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि बागपत के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। पश्चिमी यूपी के किसानों ने आधुनिकीकरण अपनाकर नई बुलंदी छुई है। चौधरी चरण सिंह की बातों को ध्यान में रखकर हम लोगों ने यहां पर कार्य प्रारंभ किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ वर्षों में, 2017 से अब तक दो लाख 72 हजार 600 करोड़ रुपये अन्नदाता के खातों में ट्रांसफर किए जा चुके हैं। विपक्ष ने 1995 से लेकर 2017 तक जितना गन्ना मूल्य का भुगतान किया है, उससे ज्यादा भाजपा ने मात्र 8 वर्षों में भुगतान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघी पूर्णिमा और संत रविदास की बधाई भी दी। इससे पूर्व जयंत चौधरी ने छपरौली के लोगों का धन्यवाद किया। चौधरी ने कहा कि कोरोना के दौरान उनके पिता चौधरी अजित सिंह की मृत्यु हुई थी। पिता की मृत्यु के बाद छपरौली के लोगों ने ही उनके सिर पर पगड़ी बांधी थी। आज उनके पिता की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए मुख्यमंत्री आये हैं। छपरौली के लोगों की ओर से में उनका धन्यवाद करता हूं।

भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में संत शिरोमणि रविदास की जयंती मनाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में महानगर के सभी मंडलों में संत शिरोमणि रविदास जयंती को पूर्ण मनोभाव के साथ मनाया। इस अवसर पर संजीव शर्मा ने समाज कल्याण के लिए किए गए उनके कार्यों का स्मरण किया। उन्होंने बताया गुरु संत रविदास ने मानवता को अपने जीवन का ध्येय बनाया। वे धर्म तथा जाति के भेदभाव को मिटाने और समाज में एकता लाने के लिए समर्पित रहे। आइए, हम गुरु दास जी की शिक्षा को अपनाएं और समृद्ध तथा विकसित राष्ट्र के निर्माण में निरंतर योगदान देते रहें।

इस अवसर पर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने कहा, "करम बंधन में बन्ध रहियो, फल की ना तज्जियो आस। कर्म मानुष का धर्म है, सत भाखै रविदास। सामाजिक समानता के लिए जीवनपर्यंत कार्य करने वाले संत शिरोमणि गुरु रविदास की न्याय, समानता और सेवा की शिक्षा हर युग में प्रेरित करती रहेगी।"

गुरु रविदास जयंती के अवसर पर राजनगर मंडल के अध्यक्ष नीरज त्यागी, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, एम के प्रमुख, कार्यक्रम संयोजक आर एन राम, तनुज खन्ना, संजय चौधरी, जय सिंह, किरण चौधरी, सोनू सिंघल आदि मौजूद रहे।

हिन्दू युवा वाहिनी मुरादनगर ने संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती मनाई

मुरादनगर, करंट क्राइम। हिन्दू युवा वाहिनी मुरादनगर द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की जयंती को जीतपुर स्थित रविदास मंदिर में बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में हिन्दू युवा वाहिनी मुरादनगर के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गुरु रविदास के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष आयुष त्यागी काकड़ा ने कहा, संत रविदास ने समाज में समानता, एकता और कर्मठता का संदेश दिया। हमें उनके विचारों को आत्मसात कर समाज में समरसता लाने का कार्य करना चाहिए।

इस पावन अवसर पर भजन-कीर्तन, सत्संग का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हिन्दू युवा वाहिनी मुरादनगर के कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संकल्प लिया कि हर वर्ष इस महोत्सव को और अधिक भव्यता से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष मोहित त्यागी, अवनीश प्रधान, नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति, नगर सह प्रभारी हरित खटीक, शुभम त्यागी, रोकी, आकाश, बिरजू, श्याम शर्मा, गुलशन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर पाया काबू

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 स्थित एहसान होटल के पीछे प्लास्टिक और पन्नी के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन फायर टेंडर मौके पर भेजे। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल के नेतृत्व में दमकल कर्मियों की टीम ने हौज पाइप के जरिए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। गोदाम में स्टोर किए गए प्लास्टिक और पन्नी में लगी आग के कारण आसपास के क्षेत्र में काले धुएं का गहरा आवरण छा गया। यह गोदाम स्थानीय कबाड़ियों और पन्नी बीनने वालों द्वारा सामान स्टोर करने के लिए उपयोग किया जाता था।

दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। इसे जल्द ही पूरी तरह से बुझा दिया गया। हालांकि, अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल विभाग द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है। किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

कैंटर-ट्रक की टक्कर में चालक की मौत

हापुड़ करंट क्राइम। हापुड़ में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर कुचेसर फ्लाईओवर के पास बुधवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। मुरादाबाद से दिल्ली जा रहे पेपर मिल के सामान से लदे ट्रक में पीछे से आ रहे कैंटर ने टक्कर मार दी। जिसमें चालक की मौत हो गई। दरअसल, देर रात हुए हादसे में कैंटर चालक पिंटू चौहान (नालंदा, बिहार निवासी) गंभीर रूप से घायल हो गए और केबिन में फंस गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने केबिन को काटकर उन्हें बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल लड्डन (मुरादाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के हमीरपुर निवासी) को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। थाना प्रभारी विजय गुप्ता के अनुसार, तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

एटीएस एडवांटेज सोसायटी चुनाव : सुमित चौधरी के नेतृत्व वाला पैनल फिर से विजयी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एटीएस एडवांटेज सोसायटी में 9 फरवरी 2025 को एओए चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें सुमित चौधरी के नेतृत्व वाले पैनल ने एक बार फिर बड़ी जीत दर्ज की। एओए चुनाव के बाद, 11 फरवी को एओए बोर्ड के गठन के लिए नई बोर्ड की पहली बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सुमित चौधरी को फिर से सर्वसम्मति से एओए का अध्यक्ष चुना गया। हेम शर्मा को सचिव, मोहित त्यागी को कोषाध्यक्ष और हितेश रुखेजा को उपाध्यक्ष चुना गया। सह-सचिव गरवित गुप्ता, सह-कोषाध्यक्ष मुकेश अरोड़ा. तथा अन्य बोर्ड मेंबर्स सुधीर माथुर, प्रीति भारद्वाज, ए. एन. सिंह, तथा ईशांत अग्रवाल सभी इस बैठक में शामिल थे। पिछले एक साल में एओए ने सोसायटी में कई महत्वपूर्ण कार्य किए, जिनकी निवासियों ने खूब सराहना की। चुनाव में एओए के सामने कोई ठोस विपक्ष नहीं दिखा, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि निवासियों का समर्थन पूरी तरह सुमित चौधरी और उनकी टीम के साथ था।

अध्यक्ष सुमित चौधरी ने बताया कि यह पहली बार है जब सोसायटी में चुनाव समय पर हुआ है। उन्होंने कहा, निवासियों ने हमें पूर्ण समर्थन दिया। हम आगे भी पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ सोसायटी के विकास के लिए कार्य करेंगे। सोसायटी के विकास के लिए एओए नए और बड़े कदम उठाने की योजना बना रही है, जिससे निवासियों को और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

एलएंडटी-सुफिन ने एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए गाजियाबाद में पीएचडीसीसीआई के साथ विशेष ज्ञान-साझाकरण सत्र की मेजबानी की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत भर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने की अपनी चल रही प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, एलएंडटी-सुफिन ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सहयोग से गाजियाबाद में एक विशेष ज्ञान-साझाकरण सत्र का आयोजन किया। थीम 'गाजियाबाद बी2बी मार्केट लिंकेज फोरम 2025' सत्र का उद्देश्य एमएसएमई को आपूर्ति श्रृंखला दक्षता और व्यापार वृद्धि के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने की अंतर्दृष्टि से लैस करना था।

सत्र में सम्मानित उद्योग जगत के नेताओं ने भाग लिया, जिनमें शामिल हैं: राजेंद्र क्र. शर्मा, अध्यक्ष, साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, यशपाल सिंह, उपाध्यक्ष, साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, मुकेश गुप्ता, महासचिव, साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन। पीएचडी चैंबर के प्रतिनिधियों, सहायक महासचिव सुश्री मिली दुबे ने एमएसएमई विकास के लिए डिजिटल परिवर्तन के महत्व को मजबूत करते हुए चर्चा में सक्रिय रूप से योगदान दिया। पीएचडी चैंबर के सचिव पुनित चौधरी द्वारा संचालित, सत्र ने औद्योगिक व्यापार के भविष्य और निर्बाध बी2बी लेनदेन को सक्षम करने में डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका पर एक आकर्षक चर्चा की सुविधा प्रदान की। साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने एलएंडटी-सुफिन की पहल को अपना पूरा समर्थन दिया और अपने सदस्यों को अपनी व्यावसायिक दक्षता और बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए मंच तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। इंटरैक्टिव चर्चाओं, व्यावहारिक प्रश्नों और प्रतिभागियों से सार्थक जुड़ाव के साथ सत्र को अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। यह सहयोग गाजियाबाद में एमएसएमई के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और डिजिटल अपनाने को बढ़ावा देने, औद्योगिक विकास और दक्षता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है।

संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती मनाई गई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 12 फरवरी 2025 को लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरूप पार्क जी0 टी0 रोड साहिबाबाद के प्रांगण में महान समाज सुधारक ज्ञानमार्गी शाखा के संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती का आयोजन संस्था के संस्थापक/अध्यक्ष राम दुलार यादव समाजवादी चिन्तक, शिक्षाविद के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात कवि अवधेश कुमार मिश्र एडवोकेट ने किया, आयोजन इंजी0 धीरेन्द्र यादव ने, संचालन श्रमिक नेता अनिल मिश्र ने किया, समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट के साथ कार्यक्रम में शामिल सभी गणमान्य लोगों ने संत रविदास जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए नमन किया, कार्यक्रम को चन्द्रबली मौर्य, नागेन्द्र प्रसाद ने भी संबोधित किया, हुकुम सिंह, राजेन्द्र सिंह ने देश प्रेम का गीत सुना, संत को भजन गाकर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल रहे, अवधेश मिश्र एडवोकेट, शिक्षाविद राम दुलार यादव, समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट, इंजी0 धीरेन्द्र यादव, डा0 देवकर्ण चौहान, ओम प्रकाश अरोड़ा, चन्द्रबली मौर्य, नागेन्द्र मौर्य, अनिल मिश्र, एस0 एस0 तिवारी, अवधेश नेता, राजपाल यादव, फूलचंद वर्मा, मुनीव यादव, राम करण जायसवाल, एस0 एन0 जायसवाल, चुन्नी लाल चौरसिया, फौजुद्दीन, हरेन्द्र यादव, राजेन्द्र सिंह, हुकुम सिंह, हरिकृष्ण, समाजवादी पार्टी के युवा नेता अवधेश मौर्य आदि।

इंद्रप्रस्थ योजना में सीवर निस्तारण कार्य ने पकड़ी रफ्तार

मुख्य अभियंता के निरीक्षण के बाद कार्य में आई तेजी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की इंद्रप्रस्थ योजना में सीवर निस्तारण कार्य तेजी से प्रगति पर है। योजना में तीन चरणों में सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। 66 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस योजना में कार्य पूरा होने के बाद सभी पॉकेट्स बी, डी, ई, एच, एफ को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। पहले चरण में डीपीएस स्कूल के समीप सीवेज पंपिंग स्टेशन का निर्माण किया गया है। इस चरण पर 4.5 करोड़ रुपये की लागत आई है। दूसरे चरण में मावी चौक से जल निगम द्वारा विकसित सीवर मैनहोल संख्या 78 तक लगभग 1800 मीटर लंबी सीवर लाइन बिछाई जा रही है। इस चरण की लागत 3.5 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। वर्तमान में 700 मीटर सीवर लाइन का कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य अगले दो माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। तीसरे और अंतिम चरण में योजना के सभी पॉकेट्स को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र का सीवर निस्तारण सुचारु रूप से हो सकेगा। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देशों के क्रम में मुख्य अभियंता ने निरीक्षण के दौरान कार्य की धीमी प्रगति पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगायी गयी, जिसके बाद कार्य में तेजी लाई गई। कार्य पूर्ण होने के बाद इंद्रप्रस्थ योजना के सभी निवासियों को सीवर की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी और क्षेत्र की स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

Sunil Kumar Sharma

29m

आज यशोदा अस्पताल में गाजियाबाद के पूर्व महापौर श्री आशु वर्मा जी के भाई श्री मुकेश वर्मा जी का स्वास्थ्य हाल जाना। भगवान से प्रार्थना है कि वे शीघ्र स्वस्थ हों और पुनः पूर्ण ऊर्जा के साथ हमारे बीच रहें।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व मेयर आशु वर्मा के भाई मुकेश वर्मा इन दिनों अस्वस्थ हैं और उनका उपचार चल रहा है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे। ये आत्मीयता है ये अपनेपन की बात है जब कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने मुकेश वर्मा के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने आत्मीयता के इस पल को फेसबुक पर साझा किया।